



मप्र के उज्जैन में शाही मस्जिद के हिस्से को तोड़ने पर बवाल



उज्जैन,एजेंसी। मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ प्रोजेक्ट के लिए सड़क चौड़ीकरण की जद में आई शाही मस्जिद के एक हिस्से को तोड़े जाने के विरोध में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव किया गया। इसके जवाब में पुलिस कर्मियों ने लाठीचार्ज और आंसू गैस छोड़ी। भीड़ को हटाने के दौरान महिला थाना प्रभारी घायल हो गईं। इस विवाद के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है, लेकिन दोपहर होते-होते फिर पथराव होने लगा। पुलिस ने दोबारा लाठीचार्ज कर आंसू गैस छोड़ी। हंगामे के बीच कार्रवाई जारी रही। हालांकि, नमाज के समय इसे रोक दिया गया। इसके बाद मामला शांत हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि सात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शामिल हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। शाही मस्जिद को तोड़े जाने के विरोध में सोमवार सुबह टंकी चौराहे पर मुस्लिम समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए। कुछ लोग मस्जिद परिसर में जाने का प्रयास करने लगे, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। मुस्लिम महिलाओं ने नाका नंबर-5 पर चक्का जाम कर दिया, जबकि कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव किया। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दोगे। इस दौरान काइम ब्रांच थाना प्रभारी पुष्पा पांचाल भी घायल हो गईं।सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आईजी राकेश गुप्ता, कमिश्नर आशीष सिंह, डीआईजी नवनीत भासेन, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एपी प्रदीप शर्मा भी मौके पर हैं। क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त बल तैनात किया है।

मिशन रोजगार : 1375 ग्राम पंचायत अधिकारियों को मिली नियुक्ति, 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री ने मंच पर दिया नियुक्ति पत्र

गिरगिट की तरह रंग बदल रहा विपक्ष – योगी



लखनऊ, संवाददाता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सरकारी नौकरियों और गांवों के विकास को लेकर समाजवादी पार्टी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिन्होंने नौजवानों के हक पर डकैती खाली, पिछड़े-दलितों को योजनाओं से वंचित किया, नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा किया, जिनके लिए विकास का मतलब सिर्फ सैफई था, वही आज नए स्वरूप में नए स्लोगन के साथ गिरगिट की तरह रंग बदलते दिख रहे हैं। इनसे सावधान रहना है। यह भ्रम पैदा कर राज्य को अराजकता की तरफ धकेलने की साजिश करेंगे। सीएम ने सपा-कांग्रेस को चुनौती देते हुए कहा कि छह महीने में एक लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी देने का हमारा लक्ष्य है। वे गिने रहे, हम नियुक्ति पत्र वितरित करते रहेंगे। मुख्यमंत्री योगी मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 1,375 ग्राम पंचायत अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। 11 नवचयनितों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से इंद्रिरा गांधी प्रतिष्ठान में नियुक्ति पत्र सौंपा। उन्होंने नवनियुक्त अधिकारियों और उनके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि मैंने 15 सितंबर के आरंभ से कहा था कि हर सप्ताह नियुक्ति पत्र वितरण करेंगे और छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देंगे। 20 सितंबर से यह चौथी नियुक्ति पत्र प्रक्रिया संपन्न हुई।

अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से फिर नियुक्ति पत्र वितरण होगा। सीएम ने कहा कि सपा शासनकाल में संवेदनहीनता की चरमता थी। बेईमानी से जकड़े वे लोग माफिया के सामने झुकते थे, परंतु अब ऐसा नहीं है। अब कोई माफिया असलहों के साथ गाड़ियों का काफिला लेकर नहीं चल सकता। आज यूपी में नागरिक सीना तानकर और माफिया सिर झुकाकर चलता है। उसे पता है कि गरीब की झोपड़ी पर कब्जा और व्यापारी से फिरोती मांगने जाएंगे तो काम तमाम हो जाएगा। अब माफिया और उनके आका भयभीत हैं। भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण देना सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने समयसीमा के अंदर निष्पक्ष व शुचितापूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को पूरा करने के लिए उग्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नियुक्ति पत्र एक नौजवान प्राप्त कर रहा है, लेकिन खुशी पूरे परिवार व रिश्तेदारों में है। उनके लिए यही होली-दीवाली है। जो राज्य 10 साल पहले बीमारू था, उसे निष्पक्षता व ईमानदारी के साथ हमने सबसे समृद्ध राज्य के रूप में खड़ा किया है। युवाओं के सपनों को उड़ान और मंजिल प्राप्त करने के लिए प्लेटफॉर्म चाहिए। आपकी पीढ़ी की सोभायशाली है कि आपको यह वातावरण मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि हम युवा बल को प्लेटफॉर्म देकर उनकी ऊर्जा-प्रतिभा का उपयोग उग्र की समृद्धि में करने में सफल होते हैं। 2017 के पहले युवाओं में सिर्फ

करने में सफलता हासिल की है। यह बदलाव पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में हर योजना को ईमानदारी से लागू करने का परिणाम है। आज सरदार भगत सिंह की जयंती है। जब उन्होंने मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया था। अब सरकारी नियुक्ति पाने वाले साढ़े 9 लाख युवाओं की प्रतिभा से यूपी विकास की नई कहानी लिख रहा है।मुख्यमंत्री ने साढ़े 9 वर्ष में हुए परिवर्तन को भी गिनाया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी सबसे पिछड़े 5 राज्य में था, अब टॉप-3 में है। यूपी ने अपनी अर्थव्यवस्था, प्रति व्यक्ति आय व बजट को तीन गुना

के पहले भी पैसा देती थी, लेकिन लाभ सिर्फ सपा के लोगों को मिलता था। हम चुनाव जरूर पार्टी पर लड़ते हैं, लेकिन सत्ता में आते हैं तो बिना भेदभाव सबको योजनाओं का लाभ देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1996 में त्रिस्तरीय पंचायत की व्यवस्था लागू हुई। तब से ग्राम प्रधानों के पास कार्यालय नहीं था। उनके घर से व्यवस्था संचालित होती थी। विरोधी दल का व्यक्ति कैसे उनके घर जाता। लेकिन, जो काम इतने वर्षों में नहीं हुआ, वह अब हो गया है। अब ग्राम पंचायत का कार्यालय (ग्राम सचिवालय) भी है। चार से लेकर छह कमरे हैं। इसमें ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत अधिकारी, लेखपाल, बीसी सखी आदि बैठते हैं। वहां डिजिटल लाइब्रेरी व कॉन्फ्रेंस रूम भी है। एनडीए सरकार ने गांधी जी के सपनों को साकार किया है। गांव की बेटी बीसी सखी व रोजगार सेवक लोगों को जन्म, निवास, आय प्रमाण पत्र आदि सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। गांव में ही सारी सुविधाएं मिल रही हैं। अवपूर्ण भवन, फेंयर प्राइस शॉप के साथ वेयरहाउस से भी गांवों में रोजगार सृजन हुए हैं। सामुदायिक शौचालय की देखरेख महिला स्वयंसेवी समूह से जुड़ी महिलाएं करती हैं, जिन्हें पैसा भी मिलता है। उत्सव भवन कुछ गांवों में बन चुके हैं, कुछ में बन रहे हैं। यहां भी लोगों को रोजगार मिल सकता है। हर गांव 5-7 रोजगार का सृजन कर रहा है।

ढूँढे नहीं मिल रही आगरा भेजी गई नकली अभयरब वैक्सीन

कानपुर, एजेंसी। नकली अभयरब वैक्सीन मामले में ड्रग विभाग ने दोनों दवा फर्मों एलेक्जर और न्यू आरजे एजेंसीज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। दोनों फर्मों के खातों में आपस में लाखों रुपये का लेनदेन हुआ है जिसके शक पर ही विभाग ने मामला दर्ज कराया है। इसके अलावा आगरा में बेची गई करीब 500 वैक्सीन वॉयल का पता दूसरे दिन भी ड्रग विभाग की टीम नहीं लगा सकी। अधिकारियों का कहना है कि वे पता कर रहे हैं कि आखिर वैक्सीन कहाँ गई। बाकी जिन जगहों पर वैक्सीन भेजी गई थीं, वहां से वापस आ गई हैं। आगरा की संबंधित फर्म का कहना है कि उसने ट्रांसपोर्ट से वैक्सीन वॉयल को उठाया ही नहीं। हैरान करने वाली बात यह है कि यह वैक्सीन वापस न्यू आरजे एजेंसी के पास भी नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार वर्तमान में ड्रग विभाग की जांच का मुख्य फोकस रैबीज वैक्सीन पर ही बना हुआ है।

ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल ने बताया कि आगरा में भेजी गई दवाएं कहाँ हैं। इसे पता किया जा रहा है। दोनों फर्म संचालक एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं और उन्होंने फर्जी बिल तैयार किए हैं। इसके अलावा उनके खातों में भी लाखों रुपये का लेनदेन हुआ है। इसके आधार पर दोनों के खिलाफ थाना में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। ड्रग विभाग की शुरुआती जांच में खुलासा हुआ है कि दोनों संबंधित फर्मों ने मिलकर फर्जी बिल तैयार किए हैं। दोनों फर्म मिलीभगत से काम कर रही थीं।

उत्तर प्रदेश में 3 दिन भारी बारिश से कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत राज्य के कई जिलों में शुक्रवार से शुरू हुई लगातार बारिश रविवार देर शाम तक जारी रही। मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। बारिश और उससे जुड़ी घटनाओं में राज्य में 56 लोगों की मौत होने की खबर है, जबकि 46 लोग घायल हुए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले 60 घंटों में प्रदेश में सामान्य से 775 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण कई जिलों में घरों और फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट के मुताबिक, बारिश और तूफान से सीतापुर में सबसे अधिक सात लोगों की मौत हुई है।

जोपी नड्डा ने की लेडी हार्टिंग मेडिकल कॉलेज और संबद्ध अस्पतालों की समीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जोपी नड्डा ने सोमवार को लेडी हार्टिंग मेडिकल कॉलेज और उसके संबद्ध अस्पतालों-सुचेता कुपलानी अस्पताल तथा कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल-में स्वास्थ्य सुविधाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलावती सरन चिल्ड्रन हॉस्पिटल के विस्तार कार्य की जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान अस्पताल प्रशासन ने जानकारी दी कि अस्पताल की बेड क्षमता 394 से बढ़ाकर 894 की जा रही है। वहीं, आईसीयू बेड 40 से बढ़ाकर 200 और ऑपरेशन थिएटरों की संख्या 4 से बढ़ाकर 12 करने की

स्काॅर्पियो नदी में गिरी, पांच लोगों की मौत

कुपवाड़ा, एजेंसी। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगधार इलाके में सोमवार को एक स्काॅर्पियो गाड़ी सड़क से फिसलकर नदी में गिर गई, जिससे नौ महीने के एक शिशु सहित पांच लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना नियंत्रण रेखा के पास हुई, जब स्काॅर्पियो टिटवाल से सेमारी की ओर जा रही थी और सड़क से लुढ़ककर किशनगंगा नदी में जा गिरी। मृतकों की पहचान मोहम्मद इदरीस (30 वर्ष), हमजा (नौ महीने), सईदा बेगम (28 वर्ष), शब्बीर अहमद (50 वर्ष) सभी सेमारी निवासी और राजा अरशद (30 वर्ष) टिटवाल निवासी के रूप में

हुई है। गाड़ी चालक और छह अन्य यात्री इस दुर्घटना में घायल हो गए। घायलों को तंगधार उप-जिला अस्पताल (एसडीएच) ले जाया गया, जहां से पांच को आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281 और 125(ए) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे करनाह-टंगधार क्षेत्र में एक दुःखद घटना बताया। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना

भाषाई विविधता देश की सबसे बड़ी ताकत और सांस्कृतिक पूंजी है: शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भारत की भाषाई विविधता कमजोरी नहीं, देश की सबसे बड़ी ताकत और सांस्कृतिक पूंजी है। योग, आयुर्वेद और भारतीय संस्कृति का वैश्विक प्रसार अपनी भाषाओं के माध्यम से ही संभव है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने आज दिल्ली स्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) में आयोजित 'हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह' को वक्तुअला माध्यम से संदेश दिया। इस कार्यक्रम का विषय भारत मेरे दिल में बसता है थी। इस अवसर पर वक्ताओं

केवल बातचीत का जरिया नहीं बल्कि समाज की स्मृति और उसका आत्मबोध होती है। हिंदी का संपूर्ण विकास तभी संभव है जब वह देश की सभी भाषाओं के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के साथ आगे बढ़े। उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से विशेष आग्रह किया कि वे दुनिया भर की भाषाएं जरूर सीखें, लेकिन अपनी मातृभाषा को कभी न छोड़ें। भाषा बोलने में हीनभावना या लघुता-ग्रंथि महसूस करना सबसे बड़ी भूल है, क्योंकि भाषा ही व्यक्ति को अलग जड़ों, इतिहास और संस्कृति से जोड़ती है।

भाषा की प्रतिस्पर्धी नहीं है, बल्कि यह सभी भारतीय भाषाओं के बीच आत्मीय संवाद, संपर्क और समन्वय की सबसे मजबूत कड़ी है। भाषा

NEW

Crocin

Cof & Throat

For quick relief from sore throat.



Starts to work from 1st minute*

*McNelly, et al (2009); Wade, et al (2011). *Data on file – Consumer Research study 2023; Wade, et al (2011). Creative visualization. ©2024. Trademarks are owned by or licensed to Haleon group of companies. Actual product may differ in appearance and size. Use as directed on pack.

15 करोड़ के पुल की एप्रोव सड़क छह महीने में धंसी

लोक हस्तक्षेप समाचार
लखीमपुर खीरी/ मैंगलगंज। मढ़िया घाट पर गोमती नदी के ऊपर करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से तैयार पुल की एप्रोच सड़क आमजन के लिए शुरू होने के महज छह महीने में जगह-जगह से दरक गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्डे हो गए हैं। कम समय में सड़क की हालत खराब होने से निर्माण गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। सेतु निगम ने मरम्मत शुरू करा दी है।मढ़िया घाट का यह पुल उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की ओर से करीब 14.97 करोड़ रुपये की लागत से तैयार कराया गया है। परियोजना की कुल लंबाई करीब 500 मीटर है। गोमती नदी के ऊपर मुख्य पुल की लंबाई 120.68 मीटर है। पुल के दोनों ओर करीब 200-200 मीटर पहुंच मार्ग का भी निर्माण कराया गया है। निर्माण कार्य नवंबर 2024 में शुरू हुआ था।मार्च 2026 में सेतु निगम ने पुल का 70 से 75 प्रतिशत काम पूरा होने और सितंबर तक निर्माण पूरा करने की बात कही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये की परियोजना में छह महीने में ही एप्रोच सड़क टूटने लगे तो तकनीकी जांच कराकर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत के साथ निर्माण गुणवत्ता, इस्तेमाल की गई सामग्री और बेस की मजबूती की जांच कराने की मांग की है।राज्य सेतु निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर कैसर अंसारी ने बताया कि पुल की सड़क टूटने की जानकारी मिली है। दो साल तक ठेकेदार ही इसकी मरम्मत करवाता है। बारिश के चलते मिट्टी धंसने से सड़क बैठ गई है। ठेकेदार ने मरम्मत शुरू कर दी है। आवागमन बाधित नहीं है। जल्द ही एप्रोच सड़क सही करा दी जाएगी।

वाराणसी में फिर बढ़ने लगा गंगा का जलस्तर

नौका संचालन पर रोक बरकरार प्रशासन अलर्ट

खतरे के निशान से लगभग 4 मीटर नीचे, नाव संचालन पर रोक

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। काशी में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। केंद्रीय जल आयोग की आज सुबह 8 बजे की रिपोर्ट के अनुसार वाराणसी में गंगा का स्तर 67.18 मीटर दर्ज किया गया है। गंगा की जलस्तर वृद्धि की गति 60 मीली प्रति घंटे है। आयोग के अनुसार, वाराणसी में चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर और खतरा बिंदु 71.26 मीटर है। वर्तमान जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 4 मीटर नीचे है।गंगा का अब तक का सर्वोच्च बाढ़ स्तर 73.901 मीटर 9 सितंबर 1978 को दर्ज किया गया था। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर नाव संचालन पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। पितृपक्ष में तर्पण के लिए गंगा किनारे पहुंच रहे श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और जल पुलिस लगातार पेट्रोलिंग कर रही है।

बलिया में कल को पदयात्रा निकालेंगे भाजपा ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘जन सेवा, देश सेवा 25 साल संकल्प अभियान’ के तहत होगी पदयात्रा
लोक हस्तक्षेप समाचार
बलिया। बलिया में भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभ नारायण उर्फ सुरेन्द्र सिंह मंगलवार को बलिया शहर में पदयात्रा निकालेंगे। यह पदयात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘जन सेवा, देश सेवा 25 साल संकल्प अभियाय’ के तहत आयोजित की जाएगी।सुरेन्द्र सिंह ने सोमवार को बताया कि पदयात्रा बापू भवन टाउन हॉल से शुरू होगी। इसके बाद शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस टाउन हॉल पहुंचेंगे, जहां पदयात्रा का समापन होगा।

ऑटो में छूटा महिला का बैग, अचलगंज पुलिस ने 20 मिनट में बरामद

कर लौटाया

– बैग में रखे थे 15,300 रुपये और मोबाइल फोन, पुलिस की त्वरित कार्रवाई से महिला ने जताया आभार



लोक हस्तक्षेप समाचार
उन्नाव। जिले के अचलगंज थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑटो में छूटे महिला के बैग को महज 20 मिनट में बरामद कर उसे सकुशल वापस लौटा दिया। बैग में 15,300 रुपये और एक मोबाइल फोन रखा था।

पुलिस के अनुसार सोमवार को करीब दोपहर दो बजे साम्रा पत्नी मोहम्मद जलील निवासी बदरका, थाना अचलगंज थाने पहुंचीं। उन्होंने बताया कि उन्नाव से बदरका जाते समय कुरमापुर पुल के पास ऑटो में उनका बैग छूट गया है। बैग में 15,300 रुपये और मोबाइल फोन रखा हुआ था।सूचना मिलते ही अचलगंज पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की।

ई-रिक्शा चोरी करने वाले चार आरोपित गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

चार बैटरी, साउंडसिस्टम, तीन टायर-रिम औरएक्सल बरामद, चोरी में प्रयुक्त दो ई-रिक्शा सीज

लोक हस्तक्षेप समाचार
उन्नाव। कोतवाली सदर पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के ई-रिक्शा की चार बैटरी, एक साउंड सिस्टम, तीन टायर मय रिम और एक एक्सल बरामद किया है। चोरी में प्रयुक्त दो ई-रिक्शा को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज किया गया है।पुलिस के अनुसार चार सितंबर को काशीराम कालोनी ने ई-रिक्शा चोरी होने के मामले में विमल कुमार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 26 सितंबर को इसी कालोनी से एक ई-रिक्शा चोरी होने के मामले में रोहित गौतम की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। दोनों मामलों की विवेचना काशीराम चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक सभाजीत सिंह चौहान कर रहे थे।घटनाओं के पर्दाफाश के लिए प्रभारी निरीक्षक चंद्रकान्त मिश्र ने पुलिस टीम गठित की। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मगरवारा से सहजनी की ओर जाने वाले कानपुर-राजधानी मार्ग पर चार चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान करन शर्मा 26 वर्ष , अंशु गौतम 22 वर्ष , मोहम्मद कलाम 21 वर्ष और आकाश शर्मा 22 वर्ष के रूप में हुई है। सभी काशीराम कालोनी क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।पुलिस के मुताबिक आरोपितों के कब्जे से चार ई-रिक्शा बैटरी, एक साउंड सिस्टम, तीन ई-रिक्शा के टायर मय रिम और एक एक्सल बरामद हुआ।

बहराइच–दिल्ली हाईवे पर बने फ्लाईओवर में हुआ गड्डा

-88 करोड़ के फ्लाईओवर में बना सुरंग जैसा गड्ढा खतरे की सूचना देने को राहगीर ने टांगी लाल शर्ट

लोक हस्तक्षेप समाचार
लखीमपुर खीरी। जिले में करीब 88 करोड़ रुपये की लागत से बने फ्लाईओवर में बारिश के बाद सुरंग जैसा गड्ढा बन गया। फ्लाईओवर बहराइच से दिल्ली को जोड़ने वाले नेशनल हाईवे 730 पर गोला गोकर्णनाथ शहर के करीब रेलवे ट्रैक के ऊपर बनाया गया है। फ्लाईओवर पर बने इस बड़े गड्ढे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद फ्लाईओवर की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे। मौके से गुजर रहे एक राहगीर ने गड्ढे के पास लकड़ी में अपनी लाल रंग की शर्ट टांग दी थी, ताकि वहां से गुजरने वाले

लोगों को खतरे का अंदाजा हो सके। इसके बाद किसी ने इस पूरे दृश्य का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया. देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया.बताया गया कि पिछले तीन दिनों से लगातार हुई भारी बारिश के बाद फ्लाईओवर पर यह स्थिति बनी। वायरल वीडियो में फ्लाईओवर की सड़क के एक हिस्से में सुरंग जैसा बड़ा गड्ढा दिखाई दे रहा है। गड्ढे के आसपास सड़क का हिस्सा भी प्रभावित नजर आया. फ्लाईओवर से होकर लगातार वाहन और राहगीर गुजरते हैं। ऐसे में सड़क के बीच बने इस तरह के बड़े गड्ढे को देखकर वहां से गुजरने वाले लोगों में चिंता बढ़ गई। राहगीर द्वारा लकड़ी पर लाल शर्ट टांगे जाने के बाद लोगों का ध्यान इस गड्ढे की ओर गया और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया।सोशल मीडिया पर वीडियो

वायरल होने के बाद नेशनल हाईवे से जुड़े अधिकारियों और फ्लाईओवर का काम करने वाली फर्म के लोगों ने मामले का जायजा लिया। इसके बाद मौके पर मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया. फ्लाईओवर बनाने वाली फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष ने गड्ढे को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मौके पर हल्का क्रैक हुआ था और लगातार तीन दिन हुई बारिश के बाद पानी निकलने के कारण मिट्टी का सेटलमेंट हुआ। इसी वजह से एक जगह पर गड्ढा बन गया। प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि इसमें किसी तरह का फेलियर नहीं है. उनके मुताबिक मिट्टी के सेटलमेंट के कारण सड़क के एक हिस्से में गड्ढा हुआ है और इसे रियेयर कराया जा रहा है।प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष ने कहा कि यह कोई बहुत बड़ा मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि समय रहते इसकी मरम्मत का

काम शुरू करा दिया गया है, ताकि किसी तरह की दुर्घटना न हो। उन्होंने बताया कि गड्ढा लगभग 100 मीटर के आसपास के हिस्से में है. उनके मुताबिक गड्ढा एक जगह पर ही है, लेकिन ट्रेस थोड़ा लंबा हो गया है. इसी वजह से एहतियात के तौर पर मरम्मत का दायरा थोड़ा और लंबा रखा जा रहा है. उनका कहना है कि लगातार तीन दिन हुई बारिश के कारण यह स्थिति बनी। अब मरम्मत के लिए सड़क के प्रभावित हिस्से में डीबीएम का पत्थर डाला जाएगा।

प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष के मुताबिक मरम्मत के दौरान डीबीएम का पत्थर डालकर सड़क के इस हिस्से को दो-तीन दिन के लिए ऐसे ही छोड़ा जाएगा. इसके बाद आगे का काम पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब एक हफ्ते में सड़क को क्लियर कर दिया जाएगा। फिलहाल वायरल

वीडियो सामने आने के बाद निर्माण फर्म की ओर से प्रभावित हिस्से की मरम्मत का काम किया जा रहा है।88 करोड़ रुपये की लागत से बने इस फ्लाईओवर पर सुरंग जैसा गड्ढा बनने और उसका वीडियो वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आया। राहगीर द्वारा गड्ढे के पास लाल शर्ट टांगने की तस्वीर और वीडियो ने लोगों का ध्यान खींचा। वीडियो सामने आने के बाद अधिकारियों और निर्माण फर्म ने मौके का जायजा लिया और मरम्मत का काम शुरू कर दिया। फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर ने इसे बारिश के बाद मिट्टी के सेटलमेंट से बना गड्ढा बताया है और कहा है कि इसमें कोई फेलियर नहीं हुआ है। उनके मुताबिक एहतियात के तौर पर प्रभावित हिस्से को ठीक कराया जा रहा है और करीब एक सप्ताह में सड़क को सही कर दिया जाएगा।

डीएम ने दिए मजदूर बढ़ाकर कटान रोकने के काम में तेजी लाने के निर्देश

संवाददाता
बलिया। बांसडीह विकास खंड मनियर के बाढ़ प्रभावित गांव सुल्तानपुर में रविवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने पहुंचकर कटान की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कटान रोकने के लिए कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने सुल्तानपुर स्थित पोखरे में ठेकर निर्माण कराने की मांग रखी। डीएम ने कहा कि गांव की प्राथमिकताओं के आधार पर जरूरी कार्य कराए जाएंगे। जिलाधिकारी ने संबंधित इंजीनियर को मैनपावर बढ़ाकर कटारोधी कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने विद्युत आपूर्ति की समस्या भी बताई। इस पर डीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल समस्या का समाधान कर आपूर्ति व्यवस्था दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कटान में जिन किसानों की जमीन नदी में समा गई है, उन्हें नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाएगा। जिन लोगों के मकान गिर गए हैं, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा। फसल क्षति का सर्वे करकर पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा देने की कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि बाढ़ और कटान की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी जरूरी कदम उठाए जाएंगे, ताकि ग्रामीणों को हर साल इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एसडीएम बांसडीह, तहसीलदार बांसडीह, विधायक केतकी सिंह, एडीएम अनिल कुमार समेत संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

धू–धूकर जला रिहायशी इलाके में बना पंखे का गोदाम

आसपास के मकान कराए गए खाली, करोड़ों का माल जलकर खाक

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में स्थित एक गोदाम में सोमवार की सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि गोदाम की दीवारों में दरारें आ गईं।बताया जा रहा है कि यह गोदाम रिहायशी इलाके में बनाया गया था और आग लगने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने आसपास के मकान में रह रहे लोगों को बाहर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया है। गोदाम में पंखे और पंखे बनाने जाने वाले सामान भी रखे गए थे। सुबह 4 बजे के आसपास सिव्योरिटी गार्ड ने इस मामले की जानकारी मैनेजर को दी, जिसके सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका हर पहिया 308 डिट्री तक घूम सकता है, जिससे यह किसी भी मोड़ पर आसानी से मुड़ सकता है।

मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के मडौली तिराहे के समीप रिहायशी इलाके में रवी फैन नामक एक गोदाम संचालित किया जाता है। सोमवार की सुबह 4 बजे गोदाम की सुरक्षा में तैनात सिव्योरिटी गार्ड ने मैनेजर अनादि शंकर गुप्ता को फोन करके गोदाम में आग लगने की जानकारी दी। वहीं, मैनेजर को जानकारी होने के बाद गोदाम के मालिक रवि को भी इस बारे में सूचित किया गया। वहीं, सिव्योरिटी गार्ड ने इस मामले की जानकारी पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मियों को भी दी।सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आग को बुझाने का काम शुरू कर दिया। इसी बीच गोदाम की दीवार में दरार भी पड़ गई, जिसके बाद घटना की संवेदनशीलता को समझते हुए पुलिस और फायर ब्रिगेड के कर्मियों ने आसपास रह रहे लोगों को उनके मकानों को निकाल कर सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कराया है। मैनेजर ने बताया है कि गोदाम के अंदर नवनिर्मित पंख रखे हुए थे।

इसके साथ ही पंखों के निर्माण की सामग्री भी रखी हुई थी। उन्होंने बताया कि अंदर केमिकल और थिनर से भरे हुए ड्रम भी रखे गए हैं। मैनेजर ने बताया है कि आज से करोड़ों रुपए का माल जलकर राख हो चुका है।

सुबह से ही आग बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड की टीम
मैनेजर के मुताबिक, गोदाम में रखे गए सामानों की पूरी जानकारी फायर ब्रिगेड की कर्मियों को दिए जाने के बाद इलाके को खाली कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सुबह 4 बजे से ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां आग को बुझाने में लगी हुई हैं। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। वहीं, फायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद ही मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भेजा गया था। आग पर अभी भी पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। आग बुझाने के बाद ही इसके कारणों का पता चल सकेगा।

फतेहपुर में गैस सिलेंडर ब्लास्ट से मकान गिरा, 4 लोगों की मौत

लोक हस्तक्षेप समाचार
फतेहपुर। जनपद में गैस सिलेंडर फटने से एक घर गिर गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है, जबकि कुछ लोगों का इलाज जारी है। वहीं सूचने मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन में जुट गई. जानकारी के मुताबिक ये हादसा खाना बनाते समय हुआ। गैस सिलेंडर ब्लास्ट मामले पर CMO उदय भान सिंह ने कहा कि इनमें से चार लोगों की मौत हो चुकी है और बाकी दो का इलाज चल रहा है।वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को फतेहपुर में गैस सिलेंडर फटने की घटना का संज्ञान लिया और अधिकारियों को घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया. उन्होंने अधिकारियों को घायलों के परिवारों को हर संभव मदद उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।घटना को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50-50 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के उचित इलाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया।पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के मलवां कस्बे में घरेलू LPG सिलेंडर फटने से दो मंजिला इमारत ढह गई, जिसमें तीन साल के बच्चे समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. घायलों में से दो खतरे से बाहर हैं, जबकि एक व्यक्ति लगभग 90 प्रतिशत जल गया है और उसकी हालत गंभीर है।पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि धमाका शाम करीब 5 बजे हुआ, जब फल और सब्जी विक्रेता सुरेश गुप्ता उर्फ चुनार के घर पर खाना पकाया जा रहा था. स्कने कहा कि धमाके से दो मंजिला इमारत ढह गई, जिससे परिवार के सदस्य मलबे के नीचे दब गए और आस-पास के कई घर भी प्रभावित हुए।उन्होंने बताया कि मलबे से सात लोगों को निकालकर अस्पताल ले जाया गया. बाद में, इलाज के दौरान चार लोगों - एक तीन साल के बच्चे, एक 18 साल के युवक और दो किशोरों (सभी पुरुष) - की मौत हो गई. स्कने कहा कि उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस, दमकल विभाग के कर्मचारी और स्थानीय लोग बचव कार्य में शामिल हुए। धमाके के कारण की जांच की जा रही है।



खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस ने राष्ट्रपति के नाम अपना एक मांग पत्र भी सौंपा है, जिसमें वाराणसी लोकसभा चुनाव 2024 से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र जांच, रिफॉर्ड और मतगणना के आंकड़ों की जांच करने की बात कही है और इसमें अनियमितता मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की भी बात लिखी ।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि वाराणसी लोकसभा चुनाव की मतगणना के दौरान कई सवाल उठे थे। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर चुनावी आंकड़े अलग थे, जबकि वास्तविकता कुछ अलग ही थी। उन्होंने बताया कि सभी बिंदुओं की स्वतंत्रता जांच की जानी चाहिए और चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी करते हुए जनता के सामने लाना चाहिए।

लोक हस्तक्षेप समाचार
वाराणसी। लोकसभा चुनाव 2024 में कथित तौर पर अनियमितताओं और देश भर में उठ रहे वोट चोरी के आरोपी को लेकर वाराणसी जिला एवं महानगर कांग्रेस कमेटी ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करते हुए वाराणसी लोकसभा चुनाव को निरस्त करने की और दोबारा चुनाव कराने की मांग की है। कांग्रेस ने चुनाव से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच करने की भी मांग उठाई है। कार्यकर्ताओं ने कहा है कि वाराणसी के असली सांसद नरेंद्र मोदी नहीं बल्कि यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक ज्ञापन भी जिला प्रशासन को सौंपा है।

2024 लोकसभा चुनाव में अनियमितता का आरोप

प्रदर्शन से पूर्व बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास एकत्र हुए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे और चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के



वो भी इसे देखने के लिए यहां आ गए।वाराणसी से गाजीपुर और फिर आगे लखीमपुर खीरी तक ये वेसल पहुंच सके इसके लिए वाराणसी डाफी टोल प्लाजा पर सड़क का निर्माण भी हो रहा है। इसके अलावा वाराणसी सीमा से इसे पार कराने के लिए वाराणसी में तीन ओवर ब्रिज को भी हटाया जाएगा। यह ओवरब्रिज हरहुआ रिंग रोड और वाराणसी गाजीपुर मार्ग पर है।

इस बाहुबली ट्रक की चर्चा इसलिए हो रही है कि यह आम ट्रक से बिल्कुल अलग है। इसमें हाइड्रोलिक मॉड्यूलर ट्रेलर है। इसके साथ ही बीस ट्रॉली जोड़कर इसे तैयार किया गया है। हर ट्रॉली पर कई एक्सल है। इस

सेवा संकल्प अभियान पर राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां, 449 दिव्यांगजनों को बांटे सहायक उपकरण व ट्राई-साइकिल

लोक हस्तक्षेप समाचार
उन्नाव। भाजपा जिला कार्यालय में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं जनपद की प्रभारी मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी ने केंद्र व प्रदेश सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों को जनता के सामने रखा। इस अवसर पर दिव्यांगजन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा पात्र लाभार्थियों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए कुल 449 सहायक उपकरण व उपहार वितरित किए गए।अभियान के तहत विभाग द्वारा 118 मैनुअल ट्राई-साइकिल, 15 मोटर चालित (मोटराइज्ड) ट्राई-साइकिल, 50 हिर्यंगिण एड (कान की मशीन) , 106 एम.आर. किट, 150 इस्पत छड़ी (स्टील स्टिक) और 10



लैट्रिन स्टिक (सपोर्ट स्टिक) का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं और आम जनमानस को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा, ‘आज वाराणसी से लेकर वडनगर तक देश के विकास में युवाओं की अमृतपूर्व भागीदारी दिख रही है। युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभा रही है।’ उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर दिव्यांगजनों और शोषितों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है।कार्यक्रम के दौरान सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पुरानी और मौजूदा सरकारों के

कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने के बजाय अपनी राजनीतिक कमजोरियों पर आत्ममंथन करे : भाजपा

लखनऊ, संवाददाता: भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस पर संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भ्रम फैलाने और अपनी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कमजोरियों से जनता का ध्यान भटकाने का आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस को लगातार मिल रही राजनीतिक चुनौतियों के बीच संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने के बजाय अपनी राजनीतिक और संगठनात्मक स्थिति पर आत्ममंथन करना चाहिए। पार्टी ने कहा कि प्रशासनिक और संवैधानिक विषयों को राजनीतिक मुद्दा बनाकर जनता के बीच भ्रम पैदा करने से कांग्रेस की समस्याओं का समाधान नहीं होगा।भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक असफलताओं को छिपाने के लिए बार-बार निर्वाचन आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाती रही है। पार्टी ने कहा कि जब भी कांग्रेस चुनावी राजनीति में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाती,

महिला से बैग और चेन लूट की दो घटनाओं का खुलासा, युवक गिरफ्तार

लखनऊ,संवाददाता:। गोमतीनगर थाना पुलिस और पूर्वी जेन की अपराध एवं निगरानी टीम ने बाइक सवार बदमाशों द्वारा महिला से बैग लूटने की घटना का खुलासा करते हुए 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को संरक्षण में लिया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट का सामान, नकदी और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। पूछताछ में मडियांव क्षेत्र में महिला से चेन छीनने की एक अन्य घटना का भी खुलासा हुआ है।पुलिस के मुताबिक, 21 सितंबर को निष्ठा खरे पत्नी सुनील खरे, निवासी प्लाट संख्या 24, आरआर पैराडाइस ग्रीन, ओमेगा ग्रीन, अयोध्या रोड ने गोमतीनगर थाने में तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि बाइक सवार दो युवकों ने उनका लुटपाट रंग का बैग खींचकर फरार हो गए। बैग में आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, नौ हजार रुपये नकद, सोने की चेन, अंगूठी, वीवो एक्स मोबाइल फोन सहित अन्य सामान था। तहरीर के आधार पर गोमतीनगर थाने में मुकदमा अपराध संख्या 427/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।घटना के शीघ्र अनावरण और लूटे गए सामान की बरामदगी के लिए उच्चाधिकारियों के निर्देशन में पूर्वी जेन की अपराध एवं निगरानी टीम

तथा गोमतीनगर पुलिस की संयुक्त टीमें गठित की गईं। पुलिस टीम ने जमीनी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के साथ मुखबिार की सूचना पर 27 सितंबर को आरआर बंधा रोड के पास घेराबंदी कर नूर आलम पुत्र मोहम्मद हारुन, निवासी शिव विहार कॉलोनी, बाबू कुंज बिहारी मैरिज लॉन के पास, थाना इंदिरानगर, उम्र 20 वर्ष, को गिरफ्तार कर लिया। मौके से एक बाल अपचारी को भी संरक्षण में लिया गया।पुलिस के अनुसार, आरोपियों से बरामद सामान के आधार पर गोमतीनगर के मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढोतरी की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बरामद सामान में शामिल कुछ आभूषण पूर्व में मडियांव थाना क्षेत्र में बाइक से जा रही महिला से छीनी गई चेन से संबंधित हैं और उन्हें बेचने की तैयारी थी। पुलिस ने मडियांव थाने से जानकारी की तो पता चला कि 9 सितंबर को त्रिलोक कुमार त्रिवेदी निवासी साई सिटी, आईआईएम रोड ने इस संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 436/2026, धारा 304(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।मडियांव के मामले में भी बरामदगी के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की बढोतरी की गई है। पुलिस ने आरोपी को धारा 304(2) और 317(2) बीएनएस के तहत न्यायालय के समक्ष भेजने की कार्रवाई की है।

गांवों में दिन-रात रेकी कर बकरियां चुराने वाले छह आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज थाना पुलिस ने गांवों में रेकी कर बकरियां चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की तीन बकरियां, बकरी बेचकर मिली 3,300 रुपये की नकदी और चोरी में प्रयुक्त दो चार पहिया वाहन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी स्विफ्ट डिजायर और सियाज कार से गांवों में घूमकर बकरियों की रेकी करते थे और मौका मिलते ही उन्हें चोरी कर लेते थे।पुलिस के मुताबिक, 9 सितंबर को ग्राम हुलासखेड़ा निवासी माता प्रसाद ने घर का ताला तोड़कर 13 बकरियां चोरी किए जाने की शिकायत की थी। तहरीर के आधार पर मोहनलालगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 339/2026, धारा 305(ए) और 331(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद 26 सितंबर को ग्राम भंसंडा निवासी नंदकिशोर ने तीन बकरियां चोरी किए जाने की शिकायत की। इस मामले में मुकदमा अपराध संख्या 355/2026, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।दोनों घटनाओं के अनावरण के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई थीं। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी एवं मैनुअल साक्ष्यों तथा स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। पुलिस ने 28 सितंबर को चंद्रप्रकाश, शुभम, अनस, विकास उर्फ नन्हके, गोलू भारती और अमन रावत को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।पुलिस की पूछताछ



में आरोपियों ने बताया कि वे स्विफ्ट डिजायर और सियाज कार से दिन-रात गांवों में घूमकर घरों के बाहर और अंदर बंड़ी बकरियों की रेकी करते थे। मौका देखकर योजना के तहत दोनों कारों से बकरियां चोरी कर लेते थे। चोरी की बकरियों को अनस की दुकान पर बेच दिया जाता था और उससे मिलने वाली रकम आपस में बांट लेते थे।गिरफ्तार आरोपियों में चंद्रप्रकाश पुत्र स्वर्गीय रामचंद्र, निवासी तोपखाना बाजार, थाना कैट, उम्र 33 वर्ष, शुभम धानुक पुत्र पप्पू, निवासी ड्रिंटुआपुर पंजाय, थाना हुसैनगंज, उम्र 33 वर्ष, अनस पुत्र इशितयाक, मूल निवासी सूजागंज, थाना रुदौली, अयोध्या और हाल निवासी सेक्टर जी, डबल स्टोरी, थाना आशियाना, उम्र 22 वर्ष, विकास उर्फ नन्हके पुत्र निरजन लाल, निवासी हबीरपुर नीलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, उम्र 27 वर्ष, गोलू भारती पुत्र रमेश भारती, निवासी रिक्षा कॉलोनी, थाना आशियाना, उम्र 29 वर्ष तथा अमन रावत पुत्र अयोध्या प्रसाद, निवासी हमीरपुर नीलमथा, थाना सुशांत गोल्फ सिटी, उम्र 26 वर्ष शामिल हैं।पुलिस के अनुसार, अनस के खिलाफ

लखनऊ, संवाददाता । मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को प्रदेशभर में विरोध मार्च निकालकर प्रदर्शन किया और पुतले फूँके। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के आह्वान पर जिला और शहर कांग्रेस कमेटियों के संयुक्त तत्वावधान में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विशेष गहन पुरीक्षण (एसआईआर), मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने तथा उनके कार्यकाल में लिए गए निर्णयों और मतदाता सूची में किए गए बदलावों की व्यापक एवं स्वतंत्र समीक्षा की मांग की।प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन कुंवर सिंह निषाद ने बताया कि राजधानी लखनऊ में जिला और शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में लालबाग चौहदे के पास तिकुनिया पार्क में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एकत्र हुए। यहां से जनपथ मार्केट स्थित निर्वाचन आयोग के कार्यालय की ओर विरोध

एसआईआर और मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन



मार्च निकाला गया। नगर निगम कार्यालय के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। कांग्रेसजनों ने वहीं मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया। पुलिस ने बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की समीक्षा की भी मांग की।निर्वाचन आयोग से जुड़े विवाद को लेकर हाल में आयोग के तीनों सदस्यों के बीच कथित मतभेदों को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है। कुछ रिपोर्टों में एसआईआर से संबंधित मामलों पर चुनाव आयुक्तों द्वारा आपत्तियां उठाए जाने का दावा किया गया था। निर्वाचन आयोग ने इन दावों के बाद स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि उसके निर्णय सर्वसम्मतित से लिए गए हैं।

ईवीएम से चुनाव बंद कर बैलेट पेपर से मतदान कराया जाए : मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने देश में ईवीएम से चुनाव कराए जाने पर सवाल उठाते हुए इसे तत्काल बंद करने और बैलेट पेपर से मतदान की व्यवस्था फिर शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में उठ रहे संदेह और एसआईआर से संबंधित भ्रांतियों को निर्वाचन आयोग को समय रहते दूर करना चाहिए, ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर लोगों का विश्वास कायम रहे।मायावती ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि संविधान के तहत प्रत्येक नागरिक को अपने मत का इस्तेमाल कर सरकार चुनने का अधिकार मिला है और निष्पक्ष चुनाव करना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि मतदाता को यह विश्वास होना चाहिए कि उसने जिस उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया है, उसका मत उसी के खाते में दर्ज और

मतगणना में शामिल हुआ है। उनके अनुसार, मतदान प्रक्रिया को लेकर किसी भी प्रकार का संदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है।ईवीएम के इस्तेमाल पर अपनी आपत्ति दोहराते हुए मायावती ने कहा कि देश में लंबे समय तक बैलेट पेपर से मतदान होता रहा और मतगणना के दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में मतपत्रों की गिनती की जाती थी। उन्होंने कहा कि बाद में बैलेट पेपर की जगह ईवीएम का इस्तेमाल शुरू किया गया। मायावती ने दावा किया कि ईवीएम को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने अलग-अलग समय पर सवाल उठाए हैं और उनकी पार्टी भी शुरू से इसके इस्तेमाल का विरोध करती रही है।मायावती ने कहा कि जब केन्द्र में उनकी सरकार थी, तब भाजपा की ओर से भी ईवीएम की विश्वसनीयता और उसकी इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उस समय ही, उसका मत उसी के खाते में दर्ज और

लेकिन केन्द्र में सत्ता में आने के बाद उसी व्यवस्था के तहत चुनाव जारी रखे। मायावती ने कहा कि इस विषय पर राजनीतिक दलों के रुख में समय के साथ बदलाव दिखाई देता है।नगणीना लोकसभा सीट का उल्लेख करते हुए मायावती ने आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद की जीत को लेकर भी आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि नगीना में आजाद समाज पार्टी का कोई व्यापक जनआधार नहीं था और ईवीएम में कथित धांधली की जरिए उन्हें जीताया गया। हालांकि, इस दावे के समर्थन में उन्होंने कोई स्वतंत्र प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि ईवीएम से मतदान को लेकर मतदाताओं के मन में विश्वास पूरी तरह कायम नहीं हो पा रहा है।मायावती ने आजाद समाज पार्टी की गतिविधियों पर भी राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि यह पार्टी दलितों से जुड़े मुद्दों पर धरना-प्रदर्शन करती है और युवाओं को आंदोलनों में आगे किया जाता है,

जिसके बाद उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज होने से उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। उन्होंने दलित समाज से ऐसे मामलों में किसी के बहकावे में न आने की अपील की।उन्होंने कहा कि ईवीएम के साथ वीवीपेट व्यवस्था लागू किए जाने के बावजूद उनकी पार्टी की आपत्तियां समाप्त नहीं हुई हैं। मायावती का कहना है कि सभी वीवीपेट पंचियों की गिनती नहीं होने के कारण ईवीएम में दर्ज मतों और वीवीपेट पंचियों का पूर्ण मिलान नहीं किया जाता। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मतदान प्रणाली की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि मतदाता के मन में यह विश्वास होना चाहिए कि उसका मत उसी उम्मीदवार के खाते में गया है, जिसे उसने वोट दिया था।एसआईआर को लेकर मायावती ने कहा कि इस विषय से संबंधित विभिन्न प्रकार की भ्रांतियां सामने आ रही हैं और निर्वाचन आयोग को इन्हें समय रहते स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कारण उनकी पार्टी भी

कई बातों पर विचार करने के लिए मजबूर हुई है और विपक्षी दलों में भी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि चुनाव से जुड़े अन्य मामलों को लेकर भी यदि समय पर स्थिति स्पष्ट कर दी जाती तो मौजूदा स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।मायावती ने कहा कि देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव को लेकर सभी लोगों का विश्वास दोबारा कायम करने के लिए उनकी पार्टी की मांग है कि ईवीएम से चुनाव तत्काल बंद कर बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान की प्रक्रिया फिर शुरू की जाए।

साथ ही एसआईआर से संबंधित सभी भ्रांतियों को दूर किया जाए, ताकि लोकतंत्र में लोगों का विश्वास और मजबूत हो सके।उन्होंने देश के कुछ हिस्सों में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर भी चिंता जताई। मायावती ने कहा कि दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों सहित अन्य राज्यों में अलग-अलग मुद्दों को लेकर कानून-व्यवस्था बिगड़ने की घटनाएं चिंता का विषय हैं।

संक्षिप्त समाचार

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्य तेज करने के निर्देश, त्योहारों से पहले व्यवस्थाएं दुरुस्त होंगी

लखनऊ संवाददाता। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सोमवार को नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में हाल की अतिवृष्टि के बाद उत्पन्न परिस्थितियों और प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं व्यवस्थागत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में जनसुविधाओं को जल्द सामान्य किया जाए और आगामी त्योहारों के दृष्टिगत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं।नगर विकास विभाग की समीक्षा के दौरान ए.के. शर्मा ने विभिन्न नगरीय क्षेत्रों में जलभराव, जल निकासी, साफ-सफाई तथा संभावित संचारी रोगों से बचाव के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में अभी भी जलभराव है, वहां प्राथमिकता के आधार पर पानी की निकासी कराई जाए। जलभराव समाप्त होते ही संबंधित क्षेत्रों में तत्काल सफाई और सैनिटाइजेशन कराया जाए, ताकि संचारी रोगों की स्थिति उत्पन्न न हो।मंत्री ने आगामी त्योहारों को देखते हुए नगरीय क्षेत्रों में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी प्रमुख सड़कों और मार्गों को गंभीरता से जांचा जाए। नगरों में नियमित स्वच्छता के साथ धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रमुख आवागमन मार्गों पर आवश्यकता के अनुसार सुशोभन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं को दुरुस्त कराया जाए, जिससे त्योहारों के दौरान आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने शासन और सभी विद्युत वितरण कंपनियों के उच्च अधिकारियों के साथ-साथ मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता और अधिशासी अभियंता स्तर के अधिकारियों के साथ वचुंअल बैठक की। उन्होंने अतिवृष्टि और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित विद्युत अवसंरचना की स्थिति तथा अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी ली।ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति संचारू रूप से संचालित हो रही है, लेकिन जिन क्षेत्रों में अत्यधिक जलभराव अथवा अन्य कारणों से आपूर्ति प्रभावित हुई है, वहां बहाली में किसी प्रकार की देरी नहीं होनी चाहिए। ऐसे क्षेत्रों में अतिरिक्त मशीनरी, उपकरण और मानव संसाधन लगाकर मरम्मत एवं पुनर्संधापना कार्य में तेजी लाई जाए तथा जल्द से जल्द विद्युत आपूर्ति सामान्य की जाए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय परिस्थितियों का लगातार आकलन करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर निगरानी रखी जाए। विद्युत सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करते हुए क्षतिग्रस्त विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों और अन्य विद्युत अवसंरचना की मरम्मत का कार्य तेजी से पूरा किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को जल्द राहत मिल सके।बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरु प्रसाद, प्रमुख सचिव ऊर्जा रणवीर प्रसाद, सचिव एवं निदेशक नगरीय निकाय अनुज कुमार झा, प्रबंध निदेशक यूपीपीसीएल नीतीश कुमार, सभी विद्युत वितरण कंपनियों के प्रबंध निदेशक सहित नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ तथा जिलास्तरीय अधिकारी वचुंअल माध्यम से जुड़े रहे।

सड़क किनारे खाई में मिला युवक का शव, हादसे में मौत की आशंका

लखनऊ, संवाददाता। माल थाना क्षेत्र में माल-भरावन मार्ग पर पतौना मोड़ के पास सोमवार सुबह सड़क किनारे खाई में करीब 30 वर्षीय युवक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। युवक के पास ही उसकी मोटरसाइकिल भी पड़ी मिली। प्रथम दृष्टया अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल समेत खाई में गिरने से युवक की मौत होने की आशंका जताई जा रही है।पुलिस के मुताबिक, सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि पतौना मोड़ के पास सड़क किनारे खाई में एक युवक अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही माल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल ले गई, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।युवक के पास मिले मोबाइल फोन के जरिए पुलिस ने उसके परिजनों से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मृतक की पहचान विशाल यादव (30) पुत्र मिश्री लाल यादव निवासी बरी कला, थाना ठाकुरगंज, लखनऊ के रूप में की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि विशाल रविवार शाम घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा।पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विशाल मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था और इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा, जिससे उसकी मौत होने की आशंका है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया

लखनऊ, संवाददाता। निगोहां थाना पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद पीड़िता को सकुशल परिजनों के सुपुर्द करने की कार्रवाई की है, जबकि गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।पुलिस के अनुसार, 14 सितंबर को वादिनी ने निगोहां थाने में तहरीर देकर अपनी 15 वर्षीय बहन को सुनील कुमार पुत्र महादेव निवासी ग्राम बिन्दौवा, थाना मोहनलालगंज द्वारा बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने की शिकायत की थी। तहरीर के आधार पर निगोहां थाने में मुकदमा संख्या 126/2026, धारा 87 और 137(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था।नाबालिग की सकुशल बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में दो पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीमों ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से कार्रवाई करते हुए नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया।

उत्तर रेलवे				
इलेक्ट्रोनिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मद की आपूर्ति हेतु निविदा आमन्त्रण-				
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उद्य मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, वाराणस, लखनऊ- 226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।				
क्र०	निविदा सं०	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56265146A	Traction Motor type IM 3302A2 complete with pinion as per BHEL Drg. No. 0445009051. Mks: BHEL or equivalent.	04 Nos	27.10.2026
निविदा शर्तों – 1, विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखा जा सकती है । 2, मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी ।				
निविदा नोटिस सं० ईपीएम / 66 / 2026				
ईमेल पता. dycmcmcb15@gmail.com				
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ				3368/2026



हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फ़ीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरुआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफ़िकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टैस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट पड़ल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके। सही मायने में राज्य में शोध-अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ़ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ़ पेटेंट की फ़ीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए कि उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ।

मसलन राज्य में कितने स्टार्ट-अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये कितना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

लोकतंत्र की बुनियाद पर सवाल

देश के दो हजार से अधिक नागरिकों, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अर्दित मेहता, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण, अभिनेता प्रकाश राज समेत शिक्षाविद, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को खुला पत्र लिखकर स्पेशल इंटेसिव रिवीजन (एसआईआर) पर तत्काल रोक की मांग की है। पत्र में निर्वाचन आयोग की भूमिका पर स्वतः अंधका त्वेन और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार समेत संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की अपील भी की गई है। यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर उठ रहे गंभीर सवालों को रेखांकित करता है।स्ट्रुक्चर के मसौदा मतदाता सूचियों से देशभर में 1३.37 करोड़ नाम कट चुके हैं। स्वच्छ मतदाता सूची सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का संवैधानिक दायित्व है। मृतक, स्थानांतरित या डुप्लिकेट नाम हटाना जरूरी है। लेकिन इतने बड़े पैमाने पर कटौती खासकर दिल्ली जैसे क्षेत्रों में 30 प्रतिशत से अधिक, ने लाखों वास्तविक मतदाताओं के मताधिकार प्रभावित होने की आशंका पैदा कर दी है। युवा और पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों को नए नियमों और तकनीकी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, ज्ञानेश कुमार एक एक्तरफा फैसलों पर उनके दोनों सहयोगी चुनाव आयुक्तों ने दस महीनों में 14 बार लिखित आपत्ति दर्ज की। अनुच्छेद 324 बहु-सदस्यीय आयोग की सामूहिक निर्णय प्रक्रिया की मांग करता है। अगर महत्वपूर्ण निर्देश और सॉफ्टवेयर बदलाव बिना सहमति के लागू हुए, तो संस्थागत विश्वास टूटता है। इसीआईनेट प्लेटफॉर्म पर केंद्रीकरण और फॉर्म-6 में बदलावों के आरोप भी पत्रकारों की कमी दर्शाते हैं।चुनाव आयोग की निष्पक्षता भारतीय लोकतंत्र की आधारशिला है। मतदाता सूची की शुद्धता उसनी ही महत्वपूर्ण है जितना कि किसी पत्र नागरिक को सूची से बाहर न किया जाना। एक्तरफा प्रक्रिया या अपारदर्शिता से न सिर्फ आयोग की साख भूमित्तित होती है, बल्कि चुनावी परिणामों पर भी संदेह का साया पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप इस मायने में आवश्यक है कि वह वैधता, प्रक्रिया और डेटा की स्वतंत्र समीक्षा सुनिश्चित करे। नाम कटने वाले पात्र मतदाताओं की बहाली और प्लेटफॉर्म का ऑडिट लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी कदम होंगे।नागरिकों का यह पत्र याद दिलाता है कि लोकतंत्र सिर्फ चुनाव कराने तक सीमित नहीं। इसमें हर पात्र आवाज को जगह मिलनी चाहिए। न्यायपालिका से अपेक्षा है कि वह संस्थागत संतुलन बहाल करे, ताकि मतदाता सूची सफाई का उद्देश्य मताधिकार के मूल अधिकार पर हावी न हो। पारदर्शिता और सामूहिकता ही चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को बचाए रख सकती है।

कभी भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बनेगा!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधारों को लेकर आज पूरी दुनिया में सुचारूँ तेज हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान 100 से अधिक वैश्विक नेताओं ने खुलकर माना कि इस 15 सदस्यीय निकाय का वर्तमान स्वरूप आउटडेटेड हो चुका है। भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्यावाला देश है, एक अग्रणी आर्थिक महाशक्ति है और वैश्विक शांति अभियानों का सबसे मजबूत रस्तंभ है। इसके बावजूद, यह कड़वी और अपरिवर्तनीय सच्चाई हमारे सामने है कि वर्तमान व्यवस्था के रहते भारत कभी भी सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं बन सकता। अब भले ही मॉरीशस, पुर्तगाल और रूस जैसे देश वैश्विक मंचों पर भारत का कितना भी महत्वपूर्ण कर लें, यूएन का कानूनी और रणनीतिक ढांचा इस तरह तैयार किया गया है कि भारत की राह हमेशा के लिए बंद दिखाई देती है, इसलिए यह अपरिहार्य हो जाता है कि हम सभी सत्य का साक्षात्कार करें और आगे की प्रभावी रणनीति बनाएं ताकि कोई रास्ता निकल सके।

भारत के प्रति समर्थन का दिखावा और छिड़ हुए पंच

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान भारत की स्थायी सदस्यता को लेकर कई देशों ने बड़े-बड़े बयान दिए, लेकिन इन बयानों के पीछे छिपी कूटनीति इस बात पर मुहर लगाती है कि स्थायी सीट मिलना एक अंसंभव सपना है। वस्तुतः रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने स्थायी सीट के लिए भारत और ब्राजील की उम्मीदवारी का समर्थन तो किया, किंतु साथ ही उन्होंने एक बड़ा अड़ंगा भी लगा दिया। रूस ने जर्मनी और जापान जैसे पड़िमी देशों को कोई भी अतिरिक्त स्थायी सीट देने का कड़ा विरोध किया और उन्हें ‘सैन्यवाद और प्रतिरोध की राह पर चलने वाला बताया। चूंकि भारत, जर्मनी और जापान के साथ मिलकर जी-4 समूह के तहत सामूहिक दावेदारी कर रहा है, इसलिए रूस के इस रुख ने भारत की संयुक्त रणनीति को बड़ा झटका दिया है। यहां यह भी ध्यान देने योग्य है कि मॉरीशस के विदेश मंत्री धनंजय रामफूलू और पुर्तगाल के प्रधानमंत्री लुइस मोंतेरो ने भारत के पक्ष में आवाज उठाई। मार्शल द्वीप समूह की राष्ट्रपति हिड्डा हेडन ने भी समर्थन दोहराया। जापान की प्रधानमंत्री स्नाए

शकील अख्तर ओबेसी तो बंगाल बिहार हर जगह थे मगर उत्तर प्रदेश में मायावती भी हैं। विपक्ष को यहां कई मोचों पर लड़ना है। लेकिन पित्तहाल तो वह आपस में लड़ता हुआ ही दिख रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता आपस में एक दूसरे को नीचा दिखाने में लगे हुए हैं। इससे क्या हासिल होगा? जो वोट भाजपा में जाना नहीं चाहते इन दोनों दलों के नेताओं की एकदम निचले स्तर की बयानबाजी देखकर मजबूरी में ओबेसी और मायावती की तरफ जा सकते हैं। बीजेपी को इससे भी फायदा होगा। भाजपा इस समय रक्षात्मक मुद्रा में है। 12 साल में यह पहली बार है जब बीजेपी बचाव में है और विपक्ष हमला कर रहा है। जनता में भी आक्रोश है। और जो पूरे देश में है यूपी में उससे ज्यादा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अभी कहा कि एंटी इन्कम्बेन्सी असर नहीं कर रही। सही है। लेकिन यूपी में सामान्य से बहुत ज्यादा सत्ता विरोधी माहौल (एंटी इन्कम्बेन्सी) है। और चुनाव आयोग के वोट चोरी का उसके ही तिन में दो चुनाव आयुक्तों ने भंडाफेड कर दिया है। चुनाव आयोग के खिलाफ लोगों में गुस्सा है। ऐसे में वह जो अभी तक एंटी इन्कम्बेन्सी को अपनी वोट चोरी से काउंटर कर देती थी अब नहीं कर पाएगी और तब तो बिल्कुल नहीं जब सत्ता विरोधी भावनाएं चरम पर हों। चुनाव आयोग के अलावा भाजपा की जीत का दूसरा सबसे बड़ा कारण हिन्दू-मुसलमान की उसकी राजनीति



थी। मगर अब यूपी में हिन्दू -मुसलमान भी चलता हुआ नहीं दिख रहा। हिन्दू -मुसलमान के अलावा दूसरी जातियों के खिलाफनफ़्त फैलाना भी यूपी में सबसे ज्यादा हो रहा था। खासतौर से ओबेसी और उसमें यादव, दलित और ब्राह्मण यह अपने आपको सबसे ज्यादा अन्याय और अत्याचार का शिकार महसूस करने लगे हैं। यह सब मिलाकर इस समय यूपी में भाजपा के लिए प्रतिकूल परिस्थितियां बन गई हैं। खेवनहार अकेले मोदी थे। मगर इस समय वे खुद राहुल के इन आरोपों से खुद को बचाने में लगे हुए हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तो एक पुर्जे हैं। असली दोषी तो प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं। जनता के सबसे बड़े अधिकार उसकी ताकत वोट का ही मतलब खत्म करने में लगे

हुए हैं। जनता के पास अगर वोट की ताकत ही नहीं बचेगी तो उसके पास कुछ नहीं बचेगा। उसकी फिर कोई सुनवाई होने का सवाल ही नहीं। राहुल ने सीधे जनता को मोदी के सामने खड़ा कर दिया है। यह पहली बार है जब मोदी राहुल पर विपक्ष पर आक्रमण नहीं कर पा रहे हैं, बल्कि खुद को उनके हमलों से बचाने में लगे हुए हैं। ऐसे में वे यूपी में मुख्यमंत्री योगी की कोई मदद कर पाएंगे कहना मुश्किल है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी मदद कर पाएं या नहीं कांग्रेस के कैमरा देखते ही लपकने वाले कुछ नेता जरूर मुख्यमंत्री चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को एक पुर्जे हैं। असली दोषी तो प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह हैं। जनता के सबसे बड़े अधिकार उसकी ताकत वोट का ही मतलब खत्म करने में लगे

हैं। अगर नैया पार लगाएंगे तो वे ही लगाएंगे और कोई विपक्ष के पास नेता या चेहरा नहीं है। लेकिन पता नहीं क्यों उनके साथ कांग्रेस के कुछ नेता मुकाबला करने की कोशिश कर रहे हैं। वे पूर्व मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस का कोई है पूर्व मुख्यमंत्री यूपी में? मुख्यमंत्री छोड़िए कोई बड़ा नेता भी ऐसा जिसका राज्य भर में प्रभाव हो। नेता की जो हमारे यहां पहचान मानी जाती है कि जहां खड़ा हो जाए सौ-पचास आदमी अपने आप इकठ्ठा हो जाएं। ऐसा नहीं है कि यूपी में कांग्रेस को ही सपा की जरूरत हो। सपा को भी कांग्रेस की उसनी ही जरूरत है। मगर क्या सपा के किसी नेता ने राहुल पर सवाल उठाए? इसके बरअवस कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद सीधे अखिलेश को चोलेज करते रहते हैं। नाचने गाने वाले,

ढोल बजाने वाले जैसे हल्के शब्दों का उपयोग करते हैं। हल्के शब्द बीजेपी में चल जाते हैं। वहां तो प्रधानमंत्री तक भैंस और शमशान कब्रिस्तान जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। मगर उनकी राजनीति का आधार नकारात्मक है इसलिए वहां नकारात्मक शब्द ही चलते हैं। कांग्रेस की राजनीति का आधार सकारात्मक है। यहां ये शब्द नहीं चलेंगे। लोग कहते हैं कि सपा के नेता भी कांग्रेस पर हमला करते हैं। सही है। मगर यह नहीं समझते कि सपा के पास केवल एक उत्तर प्रदेश है। वह वहीं की पार्टी है। अगर वहां नहीं बोलेगी तो कहां बोलेगी? दूसरे इस बात में तो कोई दो राय है नहीं कि 37-38 साल से कांग्रेस यूपी में नहीं है। सिर्फ चुनाव के समय उसके प्रदेश के नेताओं का पार्टी मजबूत करने का खयाल आता है। लेकिन उसके बाद पांच साल नहीं। हर चुनाव के टाइम पार्टी की बात करने वाले पार्टी के हितैषी नहीं। चुनाव के समय तो केवल जीत की बात करना चाहिए। पार्टी की बात पूरे पांच साल होना चाहिए। मगर यूपी क्या बिहार में भी यही हाल था, बंगाल में भी यही। कहीं पार्टी संप्रतन नाम की चीज ही नहीं है। केवल एक चीज काम करती है पार्टी को सब को साथ क़ाम चलने की नीति और राहुल पर लोगों का विश्वास। पार्टी चाहे यूपी में कमजोर हो मगर प्रभाव बहुत है और यह बात अखिलेश जानते हैं। कांग्रेस के साथ आने से सपा की स्वीकार्यता दस गुना बढ़ जाती है। यूपी में इस समय मुस्लिम वोट इशु नहीं है। लेकिन हद दर्जे की

बेवकूफी करके कांग्रेस के यूपी से संबंधित नेता उन्हें अपनी तरफ खींचने में लगे हुए हैं। जरूरत है इस समय दलित को लाने की। दलित कांग्रेस पर विश्वास करता है। सपा पर उसका संदेह कम हुआ है पर पूरी तरह मिटा नहीं है। मगर जब सपा कांग्रेस के साथ आती है तो दलित को विश्वास हो जाता है और वह इस तरफ आ जाता है। 2024 लोकसभा चुनाव से बड़ा उदाहरण कोई नहीं है। मायावती के बीजेपी से जुड़ने से नाराज दलित और दलित में वह जाति विशेष जाटव जिस पर मायावती की पूरी राजनीति टिकी है सपा और कांग्रेस के साथ आ गया था। मायावती को यह बहुत बड़ा झटका था। लोकसभा में वह साफहो गई थीं। साथ ही बीजेपी भी। कांग्रेस और सपा दोनों ने मिलकर 80 में से 43 सीटें जीत लीं थीं। अगर वही अनुपात अब विधानसभा में देखा जाए तो कांग्रेस सपा को 403 की विधानसभा में स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। अगर कांग्रेस और सपा दोनों ने देखा जाए तो कांग्रेस सपा को 403 की विधानसभा में स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। ऐसे में यह बहुमत और बड़ा हो सकता है। मुस्लिम वोट कहीं नहीं जा रहा। ऐसे में कांग्रेस को दलित के अलावा ब्राह्मण और यादव के अलावा उन दूसरी ओबीसी जातियों, अति पिछड़ पर ध्यान देने की जरूरत है जो दलित की तरह ही सपा पर पूरा विश्वास नहीं कर पा रही है। यही कांग्रेस की ताकत है कि हर जाति समुदाय उस पर विश्वास करता है।कांग्रेस पर किसी एक जाति का प्रभुत्व नहीं है।

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का धोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक ‘सुरियल प्रैक्टिशरन ऑफ़ टेररिज्म’ ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रयोषित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई की आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी



भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ? पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान

आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है। दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान

नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्रार्थमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की ज़िंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

<p>मेघः– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरि-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।</p> <p>बृषभः– शासन-सत्ता के लोगों के साथ निकटता बढ़ेगी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धि के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।</p> <p>मिथुनः– कठिण एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। सामाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घरेलू दायित्वों के प्रति आपकी महत्ता बढ़ेगी।</p> <p>कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उर्ध्वलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कार्यों पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।</p> <p>सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित व्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।</p> <p>कन्याः– नई सपस्तताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षओं की पूर्ति में व्यय की अपेक्षित है। सन्तति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।</p> <p>तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।</p> <p>वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखरेगी।</p> <p>धनुः– सम्बन्धों में व्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।</p> <p>मकरः– विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।</p> <p>कुंभः– अन्तमरुछी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी।</p> <p>मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हाल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में अससर्थ मन परेशान होगा।</p>	
--	--

तीन दिनों से अंधेरे में डूबा खिलवी गांव, आक्रोशित ग्रामीणों ने दी इलिया विद्युत उपकेंद्र के घेराव की चेतावनी

लोक हस्तक्षेप समाचार **शहाबगंज (चंदौली)।** शहाबगंज ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खिलची गांव में पिछले तीन दिनों से पूरी तरह से अंधेरा पसरा हुआ है। गांव से गुजरने वाली 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन सपलाई लाइन का तार टूट कर जमीन पर गिर गया है, जिससे कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को दुरुस्त करने के लिए जब उन्होंने क्षेत्र के अवर अभियंता (जेई) बिनोद कुमार यादव और लाइनमैन कमलेश को फोन किया, तो दोनों के ही मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिले। विभागीय अधिकारियों की इस घोर लापरवाही से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व ग्राम प्रधान विजय शंकर सिंह और अमन सिंह ने तत्काल विद्युत विभाग के एसडीओ अमर सिंह को फोन कर पूरी स्थिति से अवगत कराया और जल्द से जल्द तार जुड़वाने की मांग की। वहीं, सूचना मिलते ही किसान विकास मंच के संगठन मंत्री राम अवध सिंह ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आज ही इस जर्जर और टूटे तार को ठीक करके बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो गांव के लोग झ्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे और इलिया विद्युत उपकेंद्र का घेराव करेंगे। इस दौरान मौके पर विजय शंकर सिंह ‘बाबिल’, अमन सिंह, राम अवध सिंह, शुभम पासवान, कमलेश सिंह, राम कुंवर पासवान, राम लखन राम, मनीष सिंह और इंद्रा पासवान सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रविवार, सोमवार को बैंकों में हुआ करोड़ों का कारोबार
-80 वर्ष से ऊपर के पेंशनर अक्टूबर में जीवन पत्र भ्रंं लोकेश कुमार गुरुग्राम । भारतीय बैंक कर्मचारी संघ के आह्वान पर 28, 29 व 30 सितम्बर को होने वाली हड़ताल वापिस लेने पर सोमवार को गुरुग्राम में कार्यत बैंकों की सभी सैकड़ों ब्रांचें खुलीं और जमकर कारोबार हुआ। सूत्रों के अनुसार कर्मचारी संघ और सरकार के बीच हुए समझौते के बाद ही बैंक खोले जाने का निर्णय लिया गया। एक आदेश के तहत विभिन्न नामों से सम्बन्ध ये सभी बैंक रविवार को भी खुले रहे थे। न्यू कालोनी स्थित देश के प्रमुख बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के चीफ मैनेजर तथा मुद्राभाषी रोहण प्रकाश ने पुष्टि करते हुए बताया कि सोमवार को बैंक में काफी भीड़ रही और करोड़ों का लेन-देन हुआ। इसी प्रकार रविवार को भी करोड़ों रुपए के हुए ट्रांजेक्शन में बैंक स्टफ को सभी उपभोक्ताओं को मान-सम्मान और बैंक सम्बन्धी कार्यों से संतुष्ट करके भेजा। गुरुग्राम में सेवारत करीब 4 दर्जन एसबीआई ब्रान्चों में प्रमुख माने जाने वाली इस स्टेट बैंक के चीफ मैनेजर रोहण प्रकाश ने 80 वर्ष आयु से अधिक आयु वाले पेंशनरों (रिटायर्ड) से अक्टूबर मास में जीवन प्रमाण पत्र बैंक में भरने की अपील की है, ताकि बुजुर्ग पेंशनरों को नवम्बर में कोई दिक्कत न हो। सरकार द्वारा दी गई इस सुविधा का बुजुर्गों को लाभ उठाना चाहिए।

हुडा जिमखाना तलब में मनाई शहीद भगत सिंह की जयंती

लोक हस्तक्षेप समाचार **गुरुग्राम ।** सेक्टर-4 स्थित हुडा जिमखाना क्लब में सोमवार को महान क्रांतिकारी एवं अमर शहीद सरदार भगत सिंह की 119वर्षी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें प्रवासी एकता मंच के अध्यक्ष सतेंद्र सिंह, आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अजय अरोड़ा, अमिताभ गुप्ता, गीता, योगेश जोशी, उदयवीर सिंह राणा, त्रिलोक जय हिंद, नेहा गुप्ता, पवन गुप्ता आदि ने भाग लिया और शहीद भगत सिंह को नमन करते हुए उनके जीवन एवं विचारों को स्मरण किया। सभी ने शहीद भगत सिंह के साहस, त्याग और देश के प्रति उनके अद्वितीय समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार भगत सिंह का जीवन देशभक्ति, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया और अपने विचारों से देश के युवाओं में राष्ट्रप्रेम एवं जागरूकता की भावना जगाई। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे भगत सिंह के विचारों और आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें। देश के प्रति प्रेम, समाज के प्रति जिम्मेदारी और राष्ट्रहित में योगदान की भावना को जीवन का हिस्सा बनाना ही शहीद भगत सिंह के प्रति सच्चा सम्मान होगा। सभी ने अमर शहीद सरदार भगत सिंह को नमन करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

सीएचसी महेवा में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के तहत जरूरतमंदों को बांटे गए वॉकर और छड़ियां

लोक हस्तक्षेप समाचार महेवा / इटावा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा परिसर में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत एक विशेष वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के बुजुर्गों, दिव्यांगों और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों को नि:शुल्क वॉकर और सहायक छड़ियां वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों और चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि ‘सेवा संकल्प अभियान’ का मूल उद्देश्य समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति तक स्वास्थ्य सहायता और सम्बल पहुंचाना है। वॉकर व छड़ियों के सहयोग से बुजुर्ग और शारीरिक रूप से असमर्थ लोग बिना किसी पर निर्भर हुए दैनिक कार्य कर सकेंगे, जिससे उनका आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सहकारी संघ महेवा के अध्यक्ष राजीव चौधरी, सीएचसी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वास्थ्यकर्मौ, डॉ राघव गुप्ता , डॉ नीरज पाल ,चीफ फार्मासिस्ट दयाशंकर राजपूत ,योगेन्द्र सी है ,अखिलेश कुमार , बी पी एम डॉ दिल्ली अग्रहरी , अंशु आदि लोग बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बच्चों को पॉक्सो एक्ट के प्रति किया जागरूक
लोक हस्तक्षेप समाचार महेवा/ इटावा। अवध इंटरनेशनल एकेडमी में बच्चों को लैंगिक अपराधों से संरक्षण के लिए बनाए गए पॉक्सो एक्ट) के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में फास्ट ट्रैक कोर्ट की न्यायाधीश कल्पना चौहान एवं पीएलवी मीनाक्षी चौहान ने विद्यालय पहुंचकर छात्र-छात्राओं को पॉक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान बच्चों को बताया गया कि पॉक्सो एक्ट 2012 का उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और अश्लील सामग्री से जुड़े अपराधों से सुरक्षा प्रदान करना है। बच्चों को यह भी समझाया गया कि किसी भी प्रकार का गलत स्पर्श, अनुचित व्यवहार या यौन उत्पीड़न होने पर चुप नहीं रहना चाहिए तथा इसकी जानकारी माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को तुरंत देनी चाहिए। कानून में बच्चों की पहचान की गोपनीयता और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए विशेष न्यायिक प्रक्रिया का भी प्रावधान है।

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति दुलाहानी, सचेंद्र कुमार, आर.डी. त्रिपाठी तथा पीएलवी राजेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे। वक्ताओं ने बच्चों से किसी भी असहज या संदिग्ध परिस्थिति में बिना डर के सहायता लेने की अपील की।

इटावा/महेवा,गुरुग्राम,सीतापुर, लखनऊ

जर्जर मार्ग पर जलभराव और गहरे गड़े स्फूली बच्चों आम जन और राहगीरों को हो रही परेशानी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता खैराबाद (सीतापुर)। नगर के करनपुर जोशीटोला वार्ड में भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी के आवास तक जाने वाली करीब 200 मीटर सड़क लंबे समय से बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं और बारिश के बाद उनमें जलभराव होने से आवागमन मुश्किल हो गया है। बताया जाता है कि यह मार्ग करीब 25 वर्षों से जर्जर स्थिति में है। यह सड़क खैराबाद-लहरपुर मार्ग को जोड़ती है तथा करनपुर शेखपुरा और इमामबाड़ा बस्ती समेत आसपास के लोगों के लिए महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग है। इसके अलावा यह मार्ग चित्लायसराय चौरौहे से होते हुए कुल्हन सराय-सुजावलपुर मार्ग से जुड़ता है जबकि दूसरी ओर हटौरा और माखूपुर जाने वाले लोग भी इसका इस्तेमाल करते हैं।



सड़क की खराब स्थिति के चलते स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं मजदूरों राजगीरों और अन्य राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की स्थिति और खराब हो गई है।

20 नवंबर को बेटी का विवाह

सड़क को लेकर चिंता भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी ने बताया कि अगामी 20 नवंबर को उनकी बेटी का विवाह होना है। ऐसे में घर तक पहुंचने वाले मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर उन्हें चिंता है। उनका कहना है कि यदि विवाह से पहले सड़क

का निर्माण नहीं हुआ तो रिश्तेदारों

और संबंधियों को आवागमन में परेशानी होगी।

उन्होंने बताया कि सड़क को लेकर पूर्व में लिखित शिकायत सभासद के माध्यम से भी की गई थी। करीब 20 दिन पहले नगर पालिका को मौखिक रूप से भी समस्या से अवगत कराया गया।

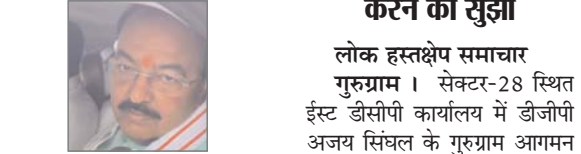
सीएचसी महेवा में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस पर जागरूकता गोष्ठी आयोजित

लोक हस्तक्षेप समाचार महेवा/इटावा। समुदाय में महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित मातृत्व और परिवार कल्याण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) महेवा में ‘अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षित गर्भपात दिवस’ के अवसर पर एक विशेष जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सीएचसी की चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंकिता वर्मा ने लगभग 100 महिलाओं का ओपीडी स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक परामर्श दिए।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. अंकिता वर्मा ने महिलाओं को गर्भावस्था के विभिन्न चरणों, इस दौरान होने वाली संभावित शारीरिक

जटिलताओं और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया

पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर प्रदेश को गर्त में पहुंचाया : केशव



संवाददाता लखनऊ। गौतमबुद्ध नगर प्रस्थान से पूर्व पत्रकारों से वार्ता करते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने अपने शासनकाल में उत्तर प्रदेश को विकास के बजाय अव्यवस्था, परिवारवाद और पिछड़ेपन की ओर धकेला। अब यही दल सत्ता में लौटने के सपने देख रहे हैं, लेकिन जनता उनके पुराने कार्यकाल और वर्तमान में राजनीतिक रवैये को अच्छी तरह समझ रही है।श्री मौर्य ने कहा कि सपा हमारी विरोधी है और इंडी गठबंधन भी हमारा विरोधी है। वे एक साथ आए या अलग-अलग चुनाव लड़ें, भाजपा का विजय रथ रुकने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने का संकल्प है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता मनीष खटाना की माताजी के निधन पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र व पूर्व सांसद राज बब्बर ने दी श्रद्धांजलि

लोक हस्तक्षेप समाचार गुरुग्राम । कांग्रेस पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मनीष खटाना की माताजी इंद्रा देवी धर्मपंथी स्व. मास्टर होती लाल खटाना के गत दिवस हुए निधन से पूरे राजनीतिक और सामाजिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुखद घड़ी में शोकाकुल परिवार को ढाढस बंधाने और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सोमवार को कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं और कार्यकर्ताओं का ताता लगा रहा। सोमवार को हरियाणा प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, गुडगांव लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे पूर्व सांसद राज बब्बर, विधानसभा प्रत्याशी रहे मोहित ग्रोवर, सोहना विधानसभा से प्रत्याशी रहे शैलताश खटाना,पटौदी विधानसभा से प्रत्याशी रही व महिला कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पलं चौधरी, पूर्व प्रत्याशी सुधीर चौधरी, पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया, मेयर प्रत्याशी सीमा पाहुजा, समाजसेवी पवन पाहुजा, जसवंति बिस्ला, गुरुग्राम के शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर, ग्रामीण जिलाध्यक्ष व बादशाहतपुर प्रत्याशी वर्धन यादव, संजीव बेदी,

युवा कांग्रेस के कार्यकारी पूर्व अध्यक्ष राव अश्वत, भाजपा अध्यक्ष सतीश नागर, भाजपा नेता सुमेर ड्षसह तंवर, सत्ते पहलवान, सेवानिवृत्त एसपी महाराज सिंह, चेयरमैन गजेन्द्र, सुशील कुमार भारद्वाज टूलर, विपिन यादव, योगेश यादव, अंशुल शर्मा, सरपंच सौराज, सरपंच कुलचिंदर, प्रमोद सैनी, चेयरमैन हरवीर अधाना, जिला बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान सतबीर तंवर, पूर्व प्रधान अभय सिंह दायमा, पूर्व प्रधान सतीश खटाना, एडवोकेट प्रदीप खटाना, एडवोकेट इंद्रजीत खटाना, एडवोकेट नरेश खटाना, एडवोकेट गौतम खटाना, राजेश यादव प्रवक्ता, कुलदीप गुर्जर, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेंद्र खटाना, ब्लॉक अध्यक्ष अशोक उल्लावन्स, नगर निगम पार्षद नरेश कटारिया, पूर्व पार्षद संजय प्रधान सहित सामाजिक व धार्मिक नेता मदनपुरी गली नंबर 5 स्थित उनके निवास स्थान पर पहुँचे। सभी नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत माताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेताओं ने श्रीमती इंद्रा देवी के जीवन और उनके संस्कारों



को याद किया। उन्होंने कहा कि एक मां का जाना परिवार के लिए अपूणीय क्षति होता है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। नेताओं ने शोक सभा के दौरान दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिवार के सदस्यों को इस वज्रपात को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। उन्होंने कहा कि मनीष खटाना के परिवार ने हमेशा समाज में एक आदर्श स्थापित किया है और दु:ख की इस घड़ी में पूरी पार्टी उनके साथ खड़ी है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में स्थानीय गणमान्य नागरिक, विभिन्न सामाजिक संघटनों के प्रतिनिधि, रिश्तेदार और कांग्रेस पार्टी के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

लखनऊ ,मंगलवार, 29 सितम्बर 2026

05

नगर पालिका की ओर से मार्ग बनवाने का आश्वासन दिया गया है। नगर विकास राज्य मंत्री राकेश राठौर गुरु को भी मामले की जानकारी दी गई है।

राकेश त्रिपाठी ने कहा कि यदि निर्धारित समय में सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो स्थानीय लोगों के सहयोग से स्वयं सड़क बनवाने का प्रयास किया जाएगा।

लोगों ने कसा तंज

सड़क की बदहाली को लेकर

स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है।

राहगीरों का कहना है कि जब भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य के घर तक जाने वाला मार्ग वर्षों से नहीं बन सका तो आम नागरिकों को अपने मोहल्लों की सड़कों को लेकर कितनी उम्मीद रखनी चाहिए। कुछ लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि नगर में ‘ट्रिपल इंजन की सरकार’ होने के बावजूद सड़क की समस्या का समाधान क्यों नहीं हो पा रहा है।

हरियाणा में आयुष्मान भारत योजना से जुड़े भुगतान में विलंब कंपनियों और ठेकेदारों को भुगतान में विलंब पर ब्याज भुगतान की योजना

लोक हस्तक्षेप समाचार

चंडीगढ़। जहां एक ओर हरियाणा में आयुष्मान भारत चिरायु हरियाणा योजना के तहत पेनल में जुड़े निजी अस्पताल भुगतान में असाधारण देरी के चलते योजना से दूरी बना रहे हैं वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी निजी कंपनियों पर मेहबाना दिखाई दिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा देय भुगतान में यदि सरकारी विभाग के स्तर पर अनावश्यक विलंब होता है, तो संबंधित कंपनियों, फर्मों और ठेकेदारों को विलंबित अवधि के लिए ब्याज सहित भुगतान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में वित्त विभाग को एक समुचित योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न विचार परियोजनाओं एवं कार्यों के लिए कंपनियों, फर्मों तथा ठेकेदारों से सेवाएं और कार्य लिए जाते हैं। ऐसे में निर्धारित प्रक्रिया के तहत देय राशि का समय पर भुगतान सुनिश्चित करना विभागों की जिम्मेदारी है। यदि किसी विभागीय स्तर पर भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होती है, तो इसका वित्तीय भार संबंधित फर्म या ठेकेदार पर नहीं पड़ना चाहिए।मुख्यमंत्री ने यह निर्देश सोमवार को हरियाणा सिविल सचिवालय में विभिन्न विभागों द्वारा अपनाई जा रही ‘गुड प्रैक्टिसिज’ की समीक्षा करते हुए दिए। उन्होंने कहा कि हमें हरियाणा में भारत ही नहीं बल्कि अन्य विकसित देशों के मानकों के मुकाबले की व्यवस्था तैयार करनी है और यहां विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना तैयार करनी है ताकि प्रदेश को अन्य राज्यों की तुलना में पहले ही विकसित राज्य बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के लिए कार्य करने वाली फर्म व ठेकेदार अक्सर बिलों के भुगतान में विलंब की शिकायत करते हैं जिसका न केवल विकास परियोजनाओं की गुणवत्ता पर असर पड़ता है बल्कि परियोजनाओं के पूरा होने में भी विलंब होता है। एक ऐसी योजना तैयार की जाए, जिसमें भुगतान में देरी के मामलों की स्पष्ट प्रक्रिया, जिम्मेदारी और ब्याज भुगतान के प्रावधान निर्धारित हों। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विभागीय स्तर पर भुगतान संबंधी मामलों का समयबद्ध निपटारा हो और अनावश्यक विलंब की स्थिति उत्पन्न न हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी के स्तर पर अनावश्यक विलंब के कारण भुगतान समय पर नहीं हो पाता, तो ब्याज राशि की वसूली संबंधित जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी से की जाएगी। प्रस्तावित योजना में इसके लिए भी प्रावधान शामिल करने के निर्देश दिए।वित्त एवं योजना विभाग द्वारा अपनाई गई गुड प्रैक्टिसिज के बारे में जानकारी देते हुए विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरुण गुप्ता ने बताया कि विभाग द्वारा पूरे देश में हरियाणा एकमात्र ऐसा राज्य है जहां एक साल पहले एसपीवी-अर्जुन (स्पेशल र्पज व्हीकल-एआई फॉर रेजिलिएंट जॉब्स, अर्बन एयर क्वालिटी एंड नेक्स्ट-जेन स्किरस) कार्डिसल गठित की गई थी। इसके माध्यम से सभी 9 बड़े विभागों के बजट व कार्यों की निगरानी तथा स्वतंत्र सत्यापन किया जाता है। एसपीवी-अर्जुन कार्डिसल के माध्यम से 4000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों को पूरी तरह परिणाम आधारित बनाया गया है। निर्धारित परिणामों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होने के बाद ही धनराशि जारी की जाती है। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों में एक-एक विशेषज्ञ भी नियुक्त करने के निर्देश दिए ताकि इस कार्डिसल के कार्य को प्रभावशाली तरीके से क्रियान्वित किया जा सके।

बैठक में सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र के मैदानी क्षेत्र में स्वच्छ वायु के लिए राज्यों के बीच सहयोग बढ़ाने हेतु मुख्यमंत्रियों का स्वच्छ वायु मंच बनाने की परिकल्पना भी प्रस्तुत की गई। इसके अंतर्गत हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार को एक साझा वायु क्षेत्र के रूप में देखते हुए सामूहिक रणनीति अपनाने का प्रस्ताव है।

कोविभाग एवं लेखा विभाग के आडुका एवं सचिव सीजी रजनीकांथन ने बताया कि हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने ई-स्टॉपिंग की व्यवस्था अपने स्तर पर शुरू की। नागरिकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए इसमें सत्यापन की व्यवस्था व सुरक्षा मानक लागू किए गए हैं। वर्ष 2025-26 में 62,39,868 ई-स्टॉप प्रमाणपत्र जारी किए गए, जिनकी कुल राशि लगभग 13,64,965 लाख रुपये रही।

उन्होंने बताया कि राज्य में हरियाणा में सभी प्रकार के बिलों के डिजिटल प्रसंस्करण की ई-वाउचर के माध्यम से शुरुआत की गई।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पोषाहार वितरण

लोक हस्तक्षेप समाचार महेवा/इटावा। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को आंगनबाड़ी केंद्र बिहरीपुर एवं आंगनबाड़ी केंद्र जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष श्रीमती राधा पाल ने प्रतिभाग किया।इस दौरान बच्चों एवं लाभार्थियों को अतिरिक्त पोषाहार का वितरण किया गया। साथ ही पोषाहार से तैयार पोष्टिक रसपिी, फल एवं मिष्ठान भी वितरित किए गए। श्रीमती राधा पाल ने बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए पोष्टिक एवं संतुलित आहार के महत्व पर प्रकाश डाला और अभिभावकों को पोषण के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना अधिकारी महेश मरोया पाण्डेय एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दीपक बाबू मौजूद रहे।आंगनबाड़ी केंद्र बिहरीपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री अनीता देवी एवं सहायिका उमा देवी तथा आंगनबाड़ी केंद्र दाईपुर की आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री ममता एवं सहायिका सुमन देवी ने कार्यक्रम के आयोजन एवं व्यवस्थाओं में सहयोग किया।कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों एवं महिलाओं को पोष्टिक आहार अपनाने तथा नियमित रूप से पोषण संबंधी गतिविधियों में भाग लेने के लिए जागरूक किया गया।



नागिन से बॉलीवुड की ग्लैमर वीन तक का सफर किया तय

टीवी और अब बॉलीवुड की दुनिया में धमाल मचा रही अभिनेत्री मौनी रॉय को यूं तो कई रोल्स के लिए जाना जाता है। जहां उन्होंने करियर की शुरुआत में 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया, तो 'देवों के देव... महादेव' में सती बनकर लोगों के बीच पहचान बनाई, लेकिन असली लोकप्रियता उन्हें 'नागिन' सीरियल से मिली। वह नागिन के किरदार से घर-घर में पहचानी जाने लगीं। जिस अभिनेत्री ने नागिन बनकर लोगों के मन में एक खौफ पैदा किया, वो असल जिंदगी में खुद नागों से डरती हैं। सांपों के प्रति उनका डर बचपन से ही है और इसका खुलासा उन्होंने फराह खान के यूट्यूब व्लॉग में किया। दरअसल, हाल ही में फराह खान अपने कुक दिलीप के साथ मौनी रॉय के नए घर गई थीं। वहीं दोनों के बीच खूब सारी बातें हुईं। बातचीत के दौरान मौनी ने बताया कि वह बचपन से ही सांपों से बहुत डरती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग सोचते हैं कि मैंने नागिन का रोल किया है तो मुझे सांपों से प्यार होगा, लेकिन सच इसके बिल्कुल उल्टा है। मुझे सांपों से बहुत डर लगता है।' मौनी ने सीरियल 'नागिन' के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूट के दौरान उन्हें असली सांपों के साथ नहीं, बल्कि वीएफएक्स और डमी सांपों के साथ शूट करना पड़ता था। फिर भी जब भी उन्हें सांप जैसा कुछ भी दिखता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने मजाक में कहा कि सेट पर लोग उन्हें चिढ़ाते भी थे कि खुद नागिन हैं और सांप से ही डर रही हैं। 28 सितंबर 1985 को पश्चिम बंगाल के कूच बिहार में जन्मी मौनी ने 'नागिन' से पहले और बाद में कई यादगार किरदार निभाए हैं। 'गोलड', 'मेड इन चाइना' और 'ब्रह्मास्त्र' में जूनन के किरदार ने उन्हें बॉलीवुड में एक अलग पहचान दिलाई। 28 सितंबर को मौनी 40 साल की हो गई हैं। उनका यह डर वाला किस्सा सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस कमेंट कर रहे हैं कि यह जानकारी हैरानी हुई कि ऑन-स्क्रीन सबसे खतरनाक नागिन ऑफ-स्क्रीन इतनी डरपोक हैं। फराह खान के



इस व्लॉग के बाद मौनी एक बार फिर सुर्खियों में आ गई हैं और उनका व्यूट डर फैंस को काफी पसंद आ रहा है। मौनी को

मौनी ने सीरियल 'नागिन' के दिनों को याद करते हुए बताया कि शूट के दौरान उन्हें असली सांपों के साथ नहीं, बल्कि वीएफएक्स और डमी सांपों के साथ शूट करना पड़ता था। फिर भी जब भी उन्हें सांप जैसा कुछ भी दिखता था तो वह घबरा जाती थीं। उन्होंने मजाक में कहा कि सेट पर लोग उन्हें चिढ़ाते भी थे कि खुद नागिन हैं और सांप से ही डर रही हैं।

मौनी रॉय: मनाएंगी 40वां जन्मदिन

पहला बड़ा ब्रेक 2007 में एकता कपूर के सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से मिला, जिसमें उन्होंने कृष्णा तुलसी का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'कस्तूरी', 'देवों के देव... महादेव' जैसे शोज किए। 'महादेव' में सती के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। लेकिन असली स्टारडम उन्हें 2015 में आई एकता कपूर की ही सीरीज 'नागिन' से मिला। शिवन्या और शिवांगी के डबल रोल में मौनी ने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 'नागिन' और 'नागिन 2' ने उन्हें टेलीविजन की सबसे महंगी और सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शुमार कर दिया। टीवी पर सफलता के बाद मौनी ने बड़े पर्दे का रुख किया। 2018 में अक्षय कुमार के साथ फिल्म 'गोलड' से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म हिट रही और मौनी को एक्टिंग को सराहा



अभिनय की बारीकियां सीखने में सीनियर्स ने की मदद: दिल्या दत्ता



हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को मिल रही अच्छी प्रतिक्रिया के बीच अभिनेत्री दिल्या दत्ता ने अभिनय के तकनीकी पहलुओं के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में अभिनय की तकनीकी बारीकियां सीखने में उनके सीनियर्स ने उनकी काफी मदद की थी। फिल्म के प्रमोशन के दौरान दिल्या दत्ता ने अपने को-एक्टर मनोज बाजपेयी और निर्देशक बेन रेखी के साथ मुंबई में बातचीत की। दिल्या दत्ता ने कहा, 'सबसे पहले, जहां तक मेरे लिए तकनीकी पहलुओं की बात है, अगर मुझे अपनी बुनियादी चीजें पता हैं, मैं अपना डायलॉग ठीक से बोल रही हूं और वह स्क्रीन पर सही तरीके से नजर आ रहा है, तो मेरे लिए इतना काफी है। एक समय ऐसा भी था, जब मुझे इन चीजों की जानकारी नहीं थी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही थी, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही थी। उस समय मेरे सीनियर्स ने मेरा हाथ थामा और मुझसे कहा, 'सुनो, तुम अच्छा कर रही हो, लेकिन स्क्रीन पर सही तरीके से नजर नहीं आ रही हो।' इस मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'समय के साथ आप ये चीजें सीखते हैं।' वे यह भी कहते हैं कि पहले अपनी लाइनें अच्छे से तैयार कर लो, तकनीकी चीजों को समझ लो और उसके बाद बस उस पल में पूरी तरह शामिल हो जाओ। उस पल का जादू अपने आप होने दो। अगर मैं अपने को-एक्टर की आंखों में देख रही हूं, तो शायद हर टेक अलग होगा। हर टेक में जब मैं उनकी आंखों में देखूंगी तो उससे एक अलग भावना पैदा हो सकती है।' दिल्या ने आगे कहा, 'वह भावना कभी ऊपर जा सकती है और कभी नीचे। कई बार यह आपको हैरान भी कर देती है। इसलिए आपको उसे स्वाभाविक रूप से होने देना चाहिए। अगर आप बहुत ज्यादा बंध जाते हैं और सोचते हैं कि 'नहीं, नहीं, यही सीमा है और मुझे इसी नोट पर परफॉर्म करना है', तो आपका अभिनय बहुत सीमित हो जाता है। आपको बस अपने अभिनय को स्वाभाविक रूप से बहने देना चाहिए।'



बॉलीवुड के गानों ने बनाया अभिनेत्री सहायक निर्देशक से हीरोइन बनीं शरवरी वाघ

अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह हैं कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को 'मैरया यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूं और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी।

बॉलीवुड में सहायक निर्देशक से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री शरवरी वाघ पारिवारिक ड्रामा फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि बॉलीवुड के गाने और डांस ने ही उन्हें अभिनेत्री बनने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, 'बॉलीवुड के गाने और डांस ही एक बड़ी वजह हैं कि मैं अभिनेत्री बनना चाहती थी। साथ ही, मैं माधुरी दीक्षित को 'दीदी तेरा देवर दीवाना' में और करिश्मा मैम और सोनाली मैम को 'मैरया यशोदा' में देखते हुए बड़ी हुई हूं और मैं घर आकर इन गानों पर डांस करती थी और खुद को एक दिन स्क्रीन पर उस हीरोइन के रूप में कल्पना करती थी। 'अभिनेत्री ने इन पलों को बॉलीवुड से प्यार होने की वजह बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं, इन्हीं पलों ने मुझे बॉलीवुड के विचार से प्यार करना सिखाया।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें पर्दे पर हमेशा से ही रोमांस करना पसंद है। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने बताया, 'मुझे हमेशा से क्लासिक बॉलीवुड गानों का रोमांस, इमोशन और बड़े पर्दे वाला जादू पसंद रहा है, जिस तरह से आप एक गाने और डांस के जरिए पूरी कहानी बता सकते हैं।



इसलिए सूरज बड़जात्या जी की 'ये प्रेम मोल लिया' के साथ इसका अनुभव करना अविश्वसनीय रूप से खास लग रहा है। 'शरवरी ने कहा, 'यह एक खूबसूरत पल जैसा लग रहा है, उस तरह के बॉलीवुड को जीने का, जिसे देखते हुए और जिसके सपने देखते हुए मैं बड़ी हुई हूं। मैं सच में इसके हर पल का आनंद ले रही हूं।' फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसमें फिल्म की हल्की झलक देखने को मिली। हालांकि फिल्म से जुड़ी बाकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस फिल्म से राजश्री का आइकॉनिक किरदार

'प्रेम' 12 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहा है, जिसे आयुष्मान खुराना निभा रहे हैं।

आप हमारे दिलों में हमेशा रहेंगी

लता मंगेशकर की जयंती पर बॉलीवुड ने दी श्रद्धांजलि, जैकी श्राफ बोले

महान गायिका लता मंगेशकर की जयंती पर सोमवार को अभिनेता जैकी श्राफ और गायक नितिन मुकेश ने श्रद्धांजलि दी। गायक नितिन मुकेश ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर गायिका लता मंगेशकर की तस्वीर पोस्ट की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'हर पल मैं आपको सामने से सुनने के लिए तरसता हूं। जब तक हम फिर से नहीं मिलते, तब तक भगवान भी आपके संगीत का आनंद लें।' अभिनेता जैकी श्राफ ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर लता मंगेशकर की तस्वीर पोस्ट कर लिखा, 'लता जी आप हमारे दिलों में हमेशा रहेंगी।' गायक रूप कुमार रावैड़ ने लता मंगेशकर की जयंती पर इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने उनकी आवाज को सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों के लिए एक एहसास बताया। एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए रूप कुमार रावैड़ ने लिखा, 'भारत रत्न लता मंगेशकर जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। उनकी आवाज सिर्फ संगीत से बड़कर थी। यह एक ऐसा एहसास था जिसने पीढ़ियों को छुआ और जो आज भी लाखों दिलों में जिंदा है। एक ऐसी कालजयी लीजेंड, जिनकी आवाज हमेशा भारत की आत्मा का हिस्सा रहेगी। सितारों में आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं, लता जी। आपकी आवाज हमेशा जिंदा रहेगी।' असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने भी उन्हें जयंती पर श्रद्धांजलि दी और असम के महान गायक-संगीतकार डॉ. भूपेन हजारिका के साथ उनके पुराने संगीत के रिश्ते को याद किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सीएम सरमा ने असमिया संगीत में लता मंगेशकर के योगदान को याद करते हुए लिखा, 'महान लता मंगेशकर जी को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं। उनका पहला असमिया गाना 'जोनाकोरे राती, असोमिरे माटी', जिसे डॉ. भूपेन हजारिका ने 1956 में फिल्म 'एरा बाटोर सुर' के लिए कंपोज किया था।



कुछ लोग आपके करियर को दिशा देते हैं, तो कुछ चुपचाप आपका दिल संभाल लेते हैं

राघव जुयालद

ने अपने द पैराडाइज के को-स्टार नानी के लिए एक बेहद दिल छू लेने वाला नोट लिखा है। फिल्म के हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस इमोशनल नोट ने दोनों एक्टर्स के बीच स्क्रीन के बाहर की खास बॉन्डिंग की भी झलक दिखा दी है। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए इस नोट में राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में से एक बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए एक 'सेफ प्लेस' बन गए। उन्होंने बताया कि नानी ने उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल जर्नी में किस तरह अहम भूमिका निभाई है। राघव ने बताया कि जब भी करियर और जिंदगी को लेकर वह किसी उलझन में रहे, नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे। दोनों अक्सर घंटों सिनेमा, करियर, जिंदगी और काम से आगे की तमाम चीजों पर बातें करते थे। राघव ने यह भी बताया कि नानी ने उन्हें अपने करियर से जुड़े फैसलों को बेहतर तरीके से समझने और इंडस्ट्री में आगे बढ़ते हुए खुद को वैसा ही इंसान बनाए रखने में मदद की, जैसा वह रहना चाहते हैं। अपने इस इमोशनल नोट में राघव ने लिखा, 'जिंदगी में कुछ ही ऐसे लोग होते हैं, जो बिना जाने ही आपके लिए आपकी सेफ प्लेस बन जाते हैं। मेरे लिए नानी दादा भी उन्हीं लोगों में से एक हैं। मैंने कई बार कोशिश की है कि शब्दों में बता सकू कि आप मेरे लिए क्या मायने रखते हैं।



परिणीति चोपड़ा बनेंगी फील्ड रिपोर्टर



'रिपोर्टिंग लाइव' में खुलेगा रेत माफिया का खतरनाक खेल

बॉलीवुड एक्टेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों लगातार अलग-अलग तरह के प्रोजेक्ट्स के साथ दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रही हैं। हाल ही में उन्होंने स्ट्रीमिंग सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रखा और अब एक ऐसी फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसकी कहानी पत्रकारिता, अपराध और अवैध रेत खनन की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म का नाम 'रिपोर्टिंग लाइव' है, जिसमें परिणीति एक फील्ड रिपोर्टर के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ शेखर सुमन, अमोल पालेकर, देवेन भोजानी और आदिल हुसैन जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। 'रिपोर्टिंग लाइव' की कहानी एक ऐसी रिपोर्टर की है, जो एक बड़ी स्टोरी की तलाश में अवैध रेत खनन के उस नेटवर्क तक पहुंचती है, जिसे एक खतरनाक रेत माफिया हर हाल में छिपाकर रखना चाहता है।

‘यहरजत पदक स्वर्ण के बराबर है’

एशियाई खेलों में बेटी के पदक के बाद ईशा के पिता



टोयोटा, एजेंसी। युवा भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह के पिता सचिन सिंह ने सोमवार को यहां ऐची प्रोफेक्चर जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली अपनी बेटी की कठिन परिस्थितियों में शांत रहने के लिए जमकर प्रशंसा की। ईशा ने उत्तर कोरिया की किम ह्योन सुक को रजत पदक पक्का करने वाले शूट-ऑफ में हराकर रजत जीता। पहले दो शूट-ऑफ सीरीज में दोनों के बराबर रहने के बाद मुकाबला तीन शूट-ऑफ सीरीज तक गया। हालांकि, स्वर्ण पदक के लिए आगे बढ़ने वाले मुकाबले में वह चीन की शियाओ जियारुशुआन से दो-सीरीज के शूट-ऑफ में हार गई। ईशा को केवल प्रतिस्पर्द्धियों से ही नहीं जुझना पड़ा, बल्कि हांगझोउ खेलों की दोहरी पदक विजेता ईशा को शूट-ऑफ के दौरान आयोजकों की ओर से अचानक लिए गए कुछ ब्रेक का भी सामना करना पड़ा, जो आम तौर पर खिलाड़ियों की लय तोड़ देते हैं। हालांकि, ईशा पर इसका असर नहीं पड़ा और उन्होंने शानदार रजत पदक जीता, जबकि इससे पहले महिला टीम ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में पदक पक्का किया था। ईशा के पिता सचिन ने उनकी बेटी के रजत पदक के बाद आईएनएस से कहा, ‘मूल रूप से, अगर आप गलत आदेश के साथ मैच रोक देते हैं, तो दोनों खिलाड़ी, चीनी ताइपे और ईशा, दोनों अपनी लय खो देते हैं।’ उन्होंने कहा, ‘यह ऐसा है जैसे पिछले ओलंपिक में किसी का हथियार खराब हो गया था। इससे दिमाग उलझ जाता है। इसलिए दोबारा अपनी लय में लौटना और निशाना लगाना बहुत मुश्किल काम है। उनका आदेश गलत था और फिर वे लाइट बंद करना भूल गए। इसलिए यह चीज खिलाड़ी को बहुत परेशान करती है।’

अंकिता-रुतुजा महिला युगल से बाहर; बारिश के कारण नागल का एकल मुकाबला टला

नागोया, एजेंसी। एशियाई खेल 2026 में सोमवार को महिला युगल टेनिस स्पर्धा में भारत का अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। नागोया में कड़े मुकाबले वाले तीन सेटों के मैच में भारत की अंकिता रैना और रुतुजा भोसले को कजाकिस्तान की अन्ना डेनिलिना और यूलिया पुतिन्स्वेवा ने हरा दिया। भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहला सेट 7-5 से अपने नाम किया, लेकिन डेनिलिना और पुतिन्स्वेवा ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मुकाबला बराबर कर दिया। इसके बाद कजाक जोड़ी ने निर्णायक मैच टाई-ब्रेक में धैर्य बनाए रखा और 10-5 से जीत दर्ज कर वापसी पूरी की। इस नतीजे से भारत की महिला युगल चुनौती जल्दी समाप्त हो गई, हालांकि रैना और भोसले दोनों के लिए टूर्नामेंट अभी खत्म नहीं हुआ है। दोनों भारतीय खिलाड़ी मिश्रित युगल ड्रॉ में भी हिस्सा ले रही हैं और उनके पास प्रतियोगिता में अपना सफर आगे बढ़ाने का एक और मौका होगा।

पुतिन्स्वेवा कजाक जोड़ी में अंतरराष्ट्रीय सर्किट का काफी अनुभव लेकर आई हैं और वह नियमित रूप से डब्ल्यूटीए टूर में खेलती रही हैं, जिसमें एकल में शीर्ष 100 में भी जगह बना चुकी हैं। मुकाबले के निर्णायक चरण में यह अनुभव काम आया, जब पहला सेट गंवाने के बाद कजाक खिलाड़ियों ने नियंत्रण हासिल कर लिया। भारतीय जोड़ी ने



शुरुआती सेट जीतकर खुद को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था, लेकिन उस बढ़त को जीत में नहीं बदल सकी। दूसरा सेट 3-6 से हाथ से निकल गया और परिणाम मैच टाई-ब्रेक पर निर्भर हो गया, जहां डेनिलिना और पुतिन्स्वेवा ने पांच अंकों की जीत का अंतर कायम किया। वहीं, सुमित नागल का पुरुष एकल अभियान शुरुआती सेट पूरा होने से पहले ही बाधित हो गया। बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा,



उस समय नागल दक्षिण कोरिया के होंग सेओगचान के खिलाफ 3-2 से आगे थे। मुकाबला मंगलवार के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है, जिससे नागल को अपना अधूरा शुरुआती दौर का मुकाबला पूरा करना होगा। भारतीय खिलाड़ी हाल में सियोल में डेविस कप मुकाबले के दौरान दक्षिण कोरियाई खिलाड़ियों के खिलाफ असहज प्रदर्शन के बाद इस मैच में उतर रहे हैं, जहां वह अपने दोनों एकल मुकाबले हार गए

थे। अब वह एशियाई खेलों में होंग के खिलाफ मुकाबले के लिए कोर्ट पर लौटेंगे, जिसका परिणाम अभी तय नहीं हुआ है।

महिला युगल से बाहर होने के बाद भारत का तत्काल टेनिस ध्यान मिश्रित युगल स्पर्धाओं और नागल के पुनर्निर्धारित एकल मुकाबले पर रहेगा, क्योंकि भारतीय दल प्रतियोगिता में अपनी मौजूदगी बनाए रखने की कोशिश करेगा।

ऑस्ट्रेलिया की बांग्लादेश वनडे सीरीज पर मोलीन्यू की चोट का साया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान सोफी मोलीन्यू के बिना उतरना पड़ सकता है। ऑलराउंडर को कूल्हे में चोट लगी है। मोलीन्यू को महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के शुरुआती दौर के लिए विकटोरिया की टीम में शामिल नहीं किया गया है, जो कल से शुरू हो रही है। इससे ऑस्ट्रेलिया के अगले अंतरराष्ट्रीय अभियान में उनकी उपलब्धता को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। बांग्लादेश सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम की घोषणा बुधवार को होने की उम्मीद है। तीन वनडे मैच 9, 11 और 14 अक्टूबर को ब्रिस्बेन में खेले जाने हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि मोलीन्यू की निगरानी की जा रही है, लेकिन उनके ठीक होने की निश्चित समयसीमा बताने से इनकार किया। सीए के प्रवक्ता के हवाले से क्रिकइन्फो ने कहा, ‘सोफी के कूल्हे के जोड़ में जोड़ और खरोंचों के कारण उनकी भागीदारी का लगातार आकलन किया जाएगा।’

यह ताजा झटका मोलीन्यू के चोटों से प्रभावित करियर के एक और मुश्किल दौर में आया है। इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी संभालने की शुरुआत में पीठ की समस्या ने बाधा डाली थी और उन्हें गेंदबाज के तौर पर वेस्टइंडीज दौरे से बाहर रहना पड़ा था, हालांकि उन्होंने बल्लेबाज के रूप में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह टी20 विश्व कप में ऑलराउंडर की भूमिका में लौटीं, जहां ऑस्ट्रेलिया ने उनकी कप्तानी में सफलतापूर्वक अपना खिताब बरकरार रखा।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कॉलोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटया जायेगा।

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhashtakshesh@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र



छह साल बाद टॉम वेस्टली ने एसेस की कप्तानी छोड़ी



नई दिल्ली, एजेंसी। टॉम वेस्टली ने छह साल तक कप्तानी करने के बाद एसेक्स काउंटी क्रिकेट क्लब के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। क्लब ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। वेस्टली ने जनवरी 2020 में रयान टेन डोशेट की जगह कप्तानी संभाली थी और ग्लेमोर्गन के खिलाफ मैच के बाद वह कप्तानी छोड़ देंगे। इंग्लैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने क्लब के कप्तान के रूप में अपने कार्यकाल पर विचार साझा किए। एसेक्स के हवाले से वेस्टली ने कहा, ‘एसेक्स की कप्तानी करना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है और हमेशा रहेगा। इस

महान क्लब की सेवा करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और मुझे इस बात का दुख है कि मैं इसे बेहतर स्थिति में छोड़ने में सक्षम नहीं रहा।’ उन्होंने कहा, ‘व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि मेरी सबसे बड़ी उपयोगिता रन बनाने और एसेक्स की जीत में योगदान देने में है, जो मैं इस साल नहीं कर पाया हूं। इसी कारण मुझे लगता है कि अब बदलाव का सही समय है और क्लब को नई दिशा तलाशनी चाहिए।’ वेस्टली वर्तमान में क्लब के सबसे लंबे समय से जुड़े खिलाड़ी हैं। वह 2003 में क्लब की अकादमी से जुड़े थे। उन्होंने 2007 में पहली टीम के लिए पदार्पण किया था।

कोहली के संन्यास के बाद ही भावी पीढ़ियां उनकी विरासत को सही मायने में समझ पाएंगी : बिशप

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप का मानना है कि क्रिकेट जगत विराट कोहली की शानदार उपलब्धियों की विशालता को पूरी तरह तभी समझ पाएंगा, जब भारतीय बल्लेबाजी के इस महारथी का शानदार खेल करियर समाप्त होगा। रविवार को सीरीज के पहले मैच में ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए भारत को आठ विकेट से आसान जीत दिलाने वाले कोहली ने नाबाद 139 रन बनाकर वनडे में 15,000 रन का आंकड़ा पार किया और इस प्रारूप में अपना 55वां शतक भी लगाया, जो

उनका कुल मिलाकर तीसरा सबसे तेज शतक है। वह अब महान सचिन तेंदुलकर के बाद पुरुष वनडे में 15,000 रन का आंकड़ा पार करने वाले इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। बिशप ने जियोहॉटस्टार पर कहा, ‘आप जो करते हैं, उससे प्यार करना जरूरी है, तभी आप



इतने लंबे समय तक उसी तरह विकसित हो सकते हैं, जैसे वह हुए हैं।’

विथ्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य जीता, पीटी उषा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नागोया, एजेंसी। भारतीय एथलीट विथ्या रामराज ने सोमवार को एशियाई खेल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए महान भारतीय एथलीट पीटी उषा के 42 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया और महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीता।

रामराज ने 54.75 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 55.42 सेकंड में 0.67 सेकंड का सुधार किया। यह रिकॉर्ड उषा ने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बनाया था, जहां वह ओलंपिक फाइनल में चौथे स्थान पर रही थीं। रामराज ने 2023 एशियाई खेलों में उषा के रिकॉर्ड की बराबरी की थी, जहां उन्होंने कांस्य पदक भी जीता था। तीन साल बाद उन्होंने आखिरकार उस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जो भारतीय एथलेटिक्स के

सबसे लंबे समय से कायम रिकॉर्ड में से एक था। भारतीय एथलीट दौड़ के दौरान पदक की मजबूत दावेदार बनी रहीं और अंतिम चरण में अपनी स्थिति बनाए रखी, लेकिन संयुक्त अरब अमीरात की मरियम करीम की आखिरी समय की तेजी का मुकाबला नहीं कर सकीं। करीम ने 54.31 सेकंड के खेल रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि कजाकिस्तान की एडेलिना जेम्स ने 54.58 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ रजत पदक हासिल किया।

रामराज का 54.75 सेकंड का समय उन्हें लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का कांस्य दिलाने के साथ-साथ उनके पिछले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 55.42 सेकंड की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार भी रहा। रामराज की भारतीय साथी अनु राघवन ने भी फाइनल में मजबूत प्रदर्शन किया।



आठवीं लेन में दौड़ते हुए राघवन ने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 55.88 सेकंड किया और पांचवें स्थान पर रहीं। फाइनल से पहले उनका सर्वश्रेष्ठ समय 56.54 सेकंड था।

चिकिथा वार्टर फाइनल में पहुंचीं, ज्योति व्यक्तिगत प्री-वार्टर फाइनल में हारें



ओकाजाकी, एजेंसी। भारतीय तीरंदाज चिकिथा तनीपर्षी ने सोमवार को यहां ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पज स्क्वायर में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 में चीनी ताइपे की चैन यी-हुआन के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज की। जहां तनीपर्षी ने किसी तरह जीत हासिल की, वहीं हांगझोउ 2023 की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति सुरेखा वेन्सम 1/8 एलिमिनेशन राउंड में दक्षिण कोरिया की कांग येओनसेओ से 146-150 से हारकर बाहर हो गईं। तनीपर्षी और चैन ने पूरी ताकत लगा दी और निर्धारित 15 शॉट के बाद दोनों के 148 अंक थे। मुकाबला शूट-ऑफ में गया, जहां भारतीय तीरंदाज ने बुल्स-आई पर निशाना लगाया, जबकि चैन ने भी 10 अंक हासिल किए, लेकिन उनका निशाना बुल्स-आई पर नहीं लगा।

तनीपर्षी ने अपने पांचों गेम में 30, 29, 30, 29 और 30 अंक बनाए, जबकि चैन ने भी 30, 30, 29, 30 और 29 अंक हासिल कर मजबूत प्रदर्शन किया। इसके बाद शूट-ऑफ में तनीपर्षी ने आखिरकार अपना धैर्य बनाए रखा। ज्योति के पास 14 वर्षीय येओनसेओ का कोई जवाब नहीं था। दक्षिण कोरियाई तीरंदाज ने एक भी तीर 10 अंक से नीचे नहीं लगाया और भारतीय खिलाड़ी को 150-146 से हरा दिया। ज्योति ने पांच गेम में 27, 30, 29, 30 और 30 अंक हासिल किए, जबकि कोरियाई खिलाड़ी ने सभी तीरों से अधिकतम 10 अंक हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

इससे पहले दिन में गणेश रत्नम ने पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवन साहिल जाधव को हराया। उन्होंने बेहद रोमांचक मुकाबले में साहिल को 149-148 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गणेश ने 29 अंक से शुरुआत की और अगले चारों गेम में 30-30 अंक हासिल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। साहिल ने 30 अंक से शुरुआत की, लेकिन अगले गेम

एमआई ने कमालिनी को रिलीज किया, आरसीबी ने हैरिस को छोड़ा, डीसी ने ली और राणा से नाता तोड़ा



नई दिल्ली, एजेंसी। दो बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने होनहार विकेटकीपर-बल्लेबाज जी कमालिनी को चौंकाने वाले फैसले में रिलीज कर दिया है, जबकि मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2027 महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) सत्र से पहले ऑस्ट्रेलिया की पावर-हिटिंग बल्लेबाजी ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस को रिलीज कर दिया है। डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ में जगह बनाने से चूकी दो बार की चैंपियन एमआई ने नए मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स की नियुक्ति के बाद अपनी टीम में बड़े बदलाव करते हुए कुल छह खिलाड़ियों को रिलीज किया है। कमालिनी के अलावा, जिन्होंने हाल ही में भारत के साथ एशिया कप जीता और इसी महीने की शुरुआत में जापान में एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक हासिल किया, फ्रेंचाइजी ने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मिली इलिंगवर्थ, भारत की बाएं हाथ की स्पिनर साइका इशाक और बिना अंतरराष्ट्रीय कैप वाली खिलाड़ियों क्रांति रेड्डी, पूनम खेमनार और त्रिवेणी वसिष्ठ को भी रिलीज करने का फैसला किया। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने चार खिलाड़ियों को रिलीज कर अपने रोस्टर को छोटा किया है। हैरिस के अलावा फ्रेंचाइजी ने इंग्लैंड की बाएं हाथ की स्पिनर लिसे स्मिथ तथा घरेलू खिलाड़ियों दयालन हेमलता और



गौतमी नाइक से भी नाता तोड़ लिया है। मुख्य कोच मलोहन रंगराजन के अनुसार, एलिसे पेरी के डब्ल्यूपीएल 2027 के लिए उपलब्ध होने से दो बार की विजेता टीम द्वारा ग्रेस को रिलीज करने का एक कारण सामने आ सकता है। चार बार की उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स ने दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लिजेल ली, ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग, जो एनाबेल

सररलैंड के स्थान पर टीम में आई थीं, और अनुभवी भारतीय ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर स्नेह राणा को रिलीज कर दिया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज तानिया भाटिया, प्रगति सिंह और सुजन एडला भी डीसी द्वारा रिलीज किए गए खिलाड़ियों में शामिल हैं। डब्ल्यूपीएल में लगातार निचले स्थान पर रहने के बाद यूपी वॉरियर्स ने अपनी मुख्य इकाई में बड़े बदलाव करते हुए

अंतरराष्ट्रीय सितारों डीएंड्रा डॉटिन, क्लो ट्रायोन और एमी जोन्स के साथ-साथ भारत की लेग स्पिनर आशा शोभना, बल्लेबाज श्वेता सहरावत और किरण नवगिरे से नाता तोड़ लिया है। इसके अलावा चार्ली नॉट, सुमन मीना और जी त्रिशा को भी रिलीज कर दिया गया है। गुजरात जायंट्स ने नए सत्र से पहले अनुभवी इंग्लैंड की बल्लेबाज डैनी वायट-हॉज, युवा भारतीय तेज गेंदबाज

तितता साधु, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में लगी हाथ की चोट के कारण खेल से बाहर हैं, आयुषी सोनी और शिवानी सिंह को रिलीज कर दिया है। डब्ल्यूपीएल की पांचों फ्रेंचाइजी 28 अक्टूबर को कोच्चि के ग्रैंड हयात में खिलाड़ियों की नीलामी के लिए जुटेंगी, ताकि अपनी-अपनी टीम पूरी कर सकें। एक टीम में अधिकतम 18 खिलाड़ी हो सकते हैं। डब्ल्यूपीएल का पांचवां संस्करण 14 जनवरी से 7 फरवरी, 2027 तक होगा, जबकि आयोजन स्थलों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

डब्ल्यूपीएल 2027 रिलीज खिलाड़ियों की सूची: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: ग्रेस हैरिस, लिसे स्मिथ, गौतमी नाइक और दयालन हेमलता

मुंबई इंडियंस: जी कमालिनी, साइका इशाक, मिली इलिंगवर्थ, क्रांति रेड्डी, पूनम खेमनार और त्रिवेणी वसिष्ठ

दिल्ली कैपिटल्स: लिजेल ली, अलाना किंग, तानिया भाटिया, स्नेह राणा, प्रगति सिंह और एडला सुजन

यूपी वॉरियर्स: किरण नवगिरे, क्लो ट्रायोन, एमी जोन्स, डीएंड्रा डॉटिन, आशा शोभना, चार्ली नॉट, सुमन मीना, जी त्रिशा और श्वेता सहरावत

गुजरात जायंट्स: डैनी वायट-हॉज, आयुषी सोनी, तितता साधु और शिवानी सिंह





श्रम संहिताएं ईज ऑफ इूंग बिजनेस को बढ़ावा देने में निभाएंगी महत्वपूर्ण भूमिका : अनिल राजभर

श्रमिकों के हितों के साथ उद्योग जगत के हितों का भी रखा जाएगा पूरा ध्यान

लोक हस्तक्षेप समाचार
ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही चार श्रम संहिताएं देश और प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों के हितों की रक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। श्रमिक और उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं, इसलिए दोनों के हितों और भविष्य को ध्यान में रखकर ही नीतियां एवं निर्णय लिए जा रहे हैं। अनिल राजभर ने यह बात सोमवार को उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चौथे दिन आयोजित 'विशेष श्रम संहिताएं' सत्र को संबोधित करते हुए कही।

श्रम मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार दो वर्षों से देश में नए कारखानों के पंजीयन के मामले में प्रथम स्थान पर है। वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में बड़ी संख्या में नए कारखाने पंजीकृत हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश सरकार ने उद्योगों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करने की दिशा में लगातार काम किया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया, कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार हुआ, पर्याप्त बिजली उपलब्धता सुनिश्चित की गई और उद्योगों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार किया गया। इन प्रयासों का परिणाम प्रदेश में बढ़ते निवेश और रोजगार के अवसरों के रूप में सामने आ रहा है।

मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि सरकार के सामने हमेशा यह चुनौती रही है कि श्रमिकों के हितों को प्रभावित किए बिना उद्योग जगत का मनोबल बनाए रखा जाए। इसी उद्देश्य से सरकार श्रमिकों और उद्यमियों के



बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि बिना उद्योग के श्रमिकों और बिना श्रमिकों के उद्योग की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए दोनों के हितों, भावनाओं और भविष्य को समझते हुए निर्णय लेना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिताओं के लागू होने से श्रम कानूनों में सुधार और सरलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने संहिताओं के संबंध में विभिन्न हितधारकों से संवाद किया है और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ भी विचार-विमर्श किया गया है। उत्तर प्रदेश सरकार भी इसी भावना के साथ आगे बढ़ रही है।

श्रम मंत्री ने कहा कि सरकार ने उद्योग जगत के लिए अपने दरवाजे हमेशा खुले रखे हैं। यदि किसी उद्योग की कोई समस्या है या उसे सरकार से सहयोग की आवश्यकता है तो विभागीय अधिकारी और सरकार उसके समाधान के लिए उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग जगत के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने और उनकी समस्याओं को समझकर समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति और आज विकास के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश की स्थिति में बड़ा बदलाव आया है। इस परिवर्तन में उद्योग जगत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने निवेशकों और उद्यमियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास का लक्ष्य उद्योग जगत के सहयोग और सहभागिता के बिना पूरा नहीं किया जा सकता।

अनिल राजभर ने कहा कि आने वाले समय में वैश्विक प्रतिस्पर्धा और

चुनौतियां और बढ़ेंगी। ऐसे में सरकार और उद्योग जगत के बीच निरंतर संवाद, सहयोग और समन्वय के माध्यम से उत्तर प्रदेश को विकास के नए अवसरों की ओर आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम में श्रम विभाग के अपर मुख्य सचिव आशीष कुमार

श्रम संहिताओं से उद्योगों के लिए आसान होगा अनुपालन, सिंगल विंडो व्यवस्था को भी मिलेगा विस्तार : गोयल

अपर मुख्य सचिव श्रम एवं सेवायोजन आशीष कुमार गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', 'ईज ऑफ लिविंग' और 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के विजन के अनुरूप चार श्रम संहिताओं के माध्यम से पुराने अनेक श्रम कानूनों को समाहित कर व्यवस्था को सरल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उद्योग जगत की मांग रही है कि श्रम कानूनों की जटिलता और अधिक संख्या के कारण अनुपालन में होने वाली कठिनाइयों को दूर किया जाए। चारों संहिताओं के माध्यम से श्रम कानूनों को व्यवस्थित किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में इनसे संबंधित अधिकांश नियमावल्यां जारी हो चुकी हैं। साथ ही, उद्योगों की सुविधा के लिए सिंगल विंडो व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं, जिसके तहत विभिन्न विभागों और स्थानीय निकायों के लिए एक ही पोर्टल से आवेदन की सुविधा होगी। इससे उद्योगों का समय बचेगा, अनुपालन आसान होगा और प्रदेश में निवेश का वातावरण और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि श्रमिक और उद्योग एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के हितों में संतुलन बनाते हुए श्रमिकों की सुरक्षा के साथ उद्योगों के लिए सुविधाजनक व्यवस्था सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में श्रम संहिताओं के प्रति जागरूकता के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, विशेषकर औद्योगिक क्षेत्रों में इनके प्रावधानों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

श्रम संहिताओं का प्रभावी क्रियान्वयन उद्योग और श्रमिक दोनों के हित में : सौम्या अग्रवाल

श्रमायुक्त सौम्या अग्रवाल ने कहा कि इस सत्र का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में उद्योग और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए श्रमिक सम्मान, सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि पुराने श्रम कानूनों को समाहित करते हुए चार श्रम संहिताएं- वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्यदशा संहिता लागू की गई हैं और इनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभाग पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इन संहिताओं के माध्यम से मल्टीपल रजिस्ट्रेशन से मुक्ति और सिंगल विंडो व्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाना, श्रमिकों का डिजिटल डेटाबेस तैयार करना तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना इस व्यवस्था की महत्वपूर्ण पहल है। व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने और महिलाओं को सुरक्षित कार्य वातावरण के साथ समान अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रम संहिताओं का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। विभाग का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें उद्योगों का विकास हो और श्रमिकों के अधिकार एवं कल्याण भी पूरी तरह संरक्षित रहें।

नूंह के भाजपा नेता को पांच करोड़ रंगदारी देने के लिए दी गई धमकी

राजेंद्र सिंह जादौन
चंडीगढ़। हरियाणा की नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार अपनी ही पार्टी के नेताओं को रंगदारी वसूली की धमकियों से नहीं बचा पा रही। कुछ समय पूर्व भाजपा विधायक जगमोहन आनंद को मिली धमकी के बाद नूंह के भाजपा नेता एवं पूर्व पंचायत समिति के चेयरमैन जाहिद हुसैन को फोन के माध्यम से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोपितों ने पांच करोड़ की रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। जिससे भाजपा नेता डर के साए में है।मामले की शिकायत पुलिस को दे दी गई है। मामला संज्ञान में आते ही पुलिस ने आरोपितों के फोन नंबर की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। लेकिन अभी तक पुलिस आरोपितों तक नहीं पहुंच पाई है।

भाजपा नेता जाहिद हुसैन के अनुसार उनके पास फोन आया जिन्होंने अपने आपको गोदारा गैंग से जुड़ा हुआ बताया। आरोपितों ने कहा कि आपको पांच करोड़ रुपये देने हैं। ऐसा नहीं करने पर जान से मार दिया जाएगा।

एक से डेढ़ मिनट बाद आरोपितों ने फोन काट दिया, कुछ ही देर दोबारा फोन आया और आरोपित ने कहा कि हां या ना में जवाब चाहिए अगर जल्द पैसे का इंतजाम नहीं किया गया तो जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद भाजपा नेता ने एसपी को अवगत कराया। जिसके बाद आरोपितों के फोन नंबर की काल डिटेल निकालकर उसकी जांच शुरू करा दी गई है। जिस नंबर से फोन आया था वह उत्तर प्रदेश के किसी व्यक्ति के नाम से बताया जा रहा है। आरोपित कहाँ के रहने वाले हैं इसकी जानकारी मोबाइल नंबर से निकाली जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द आरोपितों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

दिल्ली में सितंबर की ठंड ने तोड़ा 25 साल का रिकॉर्ड, दूसरा सबसे कम तापमान दर्ज, आनेवाले दिनों के मौसम का हाल

नई दिल्ली, एंजेंसी। दिल्ली में सितंबर की ठंड ने रविवार को नया रिकॉर्ड बनाया। न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सितंबर 2001 के बाद दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान है। मौसम विभाग के अनुसार, सितंबर में इससे कम न्यूनतम तापमान छह सितंबर 2008 को 20.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद 19 सितंबर 2024 को 21.1 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज हुआ था। शनिवार को मौसम में आए बदलाव और हुई वर्षा का असर रविवार को भी बना रहा। इसी का परिणाम था कि रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री कम रहा। वहीं, अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम है। इससे राजधानी में दिन के समय भी मौसम सामान्य की तुलना में ठंडा रहा।

दिल्ली के अन्य मौसम केंद्रों पर तापमान में कमी दर्ज की गई। रिज में न्यूनतम तापमान सबसे कम 16.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री दर्ज हुआ। पालम में न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री जबकि अधिकतम 29.2 डिग्री दर्ज किया गया। लोदी रोड पर न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री एवं अधिकतम तापमान 30.0 डिग्री रहा। आ्यानगर में न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री जबकि अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार रात से रविवार सुबह तक दिल्ली में पांच मिमी वर्षा दर्ज की गई। वर्षा के बाद तापमान में गिरावट से मौसम में ठंडक बढ़ गई। सोमवार को भी आसमान में बादल छाप रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक ‘लोक हस्तक्षेप’ के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की ।



विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं ।



सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें ।



lokhastakshepcorp@gmail.com



WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप

The power of truth

वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली



21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली

